PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 16 ● भिलाई, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक पर युवक का क्षत-विक्षत शव मिला, आधार कार्ड से हुई पहचान

लखनऊ। राजधानी के सैरपुर थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान आधार कार्ड के आधार पर कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया है।पुलिस के अनुसार 27 जुलाई को रेलवे की ओर से मेमो के माध्यम से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलते ही सैरपुर थाने के उपनिरीक्षक रामदेव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे ट्रैक के पास पिलर संख्या 15/09 के निकट एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला।तलाशी के दौरान मृतक की पैंट की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान पवन कुमार (24) पुत्र स्वर्गीय कमलेश कुमार, निवासी ग्राम पुरैना, थाना बिसवां, जनपद सीतापुर के रूप में हुई।पुलिस ने सी-प्लान के माध्यम से मृतक के परिजनों से संपर्क कर घटना की सूचना दी।

दहेज प्रताड़ना से तंग नवविवाहिता की मौत

लखनऊ । राजधानी के मोहन लालगंज थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना से जुड़ी एक नवविवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, जबकि मामले में नामजद सास की तलाश जारी है। पुलिस पूरे प्रकरण की विवेचना कर रही है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) मोहम्मद मुस्ताक के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंत कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कांवड़ यात्रा मार्गों पर मांस-मदिरा की दुकानें बंद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुरू हो रहे पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की जानकारी दी। प्रयागराज में उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की आस्था और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु की धार्मिक भावनाएं आहत न हों और यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। डिप्टी सीएम मौर्य ने बताया कि प्रदेश सरकार ने निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा के सभी प्रमुख मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रावण मास करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का पर्व है और सरकार इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है।

लगातार बारिश से उफान पर नदियां.....

सालों बाद बाबा कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में चढ़ा पानी

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में हो रही लगातार बारिश से नदियां उफान पर है. इसकी एक झलक राजिम धाम में देखने को मिल रही है, जहां महानदी का जलस्तर बढ़ने से सालों बाद त्रिवेणी संगम स्थित प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में वर्षों बाद पानी चढ़ा है. गरियाबंद जिले में लगातार 60 घंटे से हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. सिकासेर जलाशय से 60 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के कारण राजिम के त्रिवेणी संगम स्थित प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में वर्षों बाद पानी चढ़ा है. बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है. नदी के तटीय क्षेत्र और निचली बस्तियों में सतर्क रहने मुनादी कराई जा रही है. भारी बारिश की वजह से गरियाबंद जिले में पैरी नदी भी उफान पर है, जिसकी वजह से नेशनल हाइवे 130 सी में बीते 24 घंटे से वाहनों की आवाजाही बाधित है. आलम यह है कि भारी बारिश की वजह से हाइवे पर पंटोरा के पास जलभराव की वजह से रायपुर-गरियाबंद मार्ग पर यात्री बसों के पहिये थम गए हैं. प्रशासन ने एहतियातन बेरिकेड्स लगाकर वाहनों की आवाजाही रोक दी है. वहीं बात करें दंतेवाड़ा जिले की लगातार बारिश से भैरमगढ़ के पातरपारा में पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, जिसकी वजह से वाहनों का आवागमन बाधित हुआ है. प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है. लगातार बारिश से रायपुर में भी नदी-नाले उफान पर हैं.

द ट्री ऑफ लाइफ रिसॉर्ट' में फंसे 24 लोग होमगार्ड, पुलिस ने किया सफल रेस्क्यू.......

बलौदाबाजार। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते महानदी का जलस्तर बढ़ने से बल्दाकछार स्थित 'द ट्री ऑफलाइफरिसॉर्ट' में मौजूद 24 लोग फंस गए। घटना की जानकारी मिलते ही सक्रिय हुई नगर सेना (होमगार्ड), पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम ने फंसे हुए पर्यटक, रिसॉर्ट के कर्मचारी और स्थानीय ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला. लगातार बारिश के कारण महानदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे 'द ट्री ऑफलाइफरिसॉर्ट' पूरी तरह पानी से घिर गया, जिसकी वजह से वहां मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। सूचना मिलते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। नगर सेना के जवान नावों और अन्य आवश्यक संसाधनों की मदद से महिलाओं और बच्चों के साथ तमाम फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों और पर्यटकों से सतर्क रहने तथा जलभराव और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की है। मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बलौदाबाजार पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि बल्दाकछार स्थित 'द ट्री ऑफलाइफ रिसॉर्ट' में कुछ पर्यटक बाढ़ के कारण फंस गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर सेना

उदंती नदी पर बन रहा 9 करोड़ का निर्माणाधीन पुल ढहा

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पिछले 50 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब विकास कार्यों पर भी देखने को मिल रहा है। उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा निर्माणाधीन पुल तेज बहाव और भारी बारिश के चलते भरभराकर गिर गया। यह पुल छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहा यह पुल गरियाबंद जिले के अमलीगांव को ओडिशा के चार गांवों से जोड़ने के उद्देश्य से बनाया जा रहा था। लगातार हो रही बारिश के कारण उदंती नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिससे निर्माणाधीन पुल तेज बहाव का दबाव नहीं झेल सका और अचानक ढह गया।

गांवों में बाढ़ जैसे हालात, पानी में डूबी 3 हजार एकड़ फसल

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिले के उडेना समेत कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। भारी बारिश के चलते करीब तीन हजार एकड़ फसल पानी में डूब गई है। खेतों और सड़कों पर पानी भर जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई है। उडेना मार्ग की तस्वीरें बारिश के बाद बने हालात की गंभीरता को बयां कर रही हैं।

दो भाइयों की लड़ाई में भाभी की मौत, मायके वालों ने हत्या का आरोप लगा किया हंगामा

मेरठ। खरखौदा थाना क्षेत्र में देर रात घर में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर हुए दो भाइयों के विवाद में एक भाई की पत्नी की मौत हो गई। गांव में पहुंचे मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। जानकारी के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। सेतुकुआं गांव के रहने वाले आजाद ने सोमवार को अपने मकान में सीसीटीवी कैमरा लगवाया था। कैमरे का रुख आजाद के बड़े भाई रमेश के मकान की तरफ कर दिया गया।

राज्यसभा में जेपी नड्डा का बड़ा हमला

विपक्ष मुद्दाविहीन है... सिर्फ हंगामा चाहता है

नई दिल्ली। संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच गतिरोध अभी भी बरकरार है। गुरुवार को राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। कांग्रेस व अन्य कई विपक्षी दलों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। इस पर राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्र शुरू होने के बाद से विपक्ष का उद्देश्य केवल सदन की कार्यवाही बाधित करना रहा है। विपक्ष का पूरा ध्यान सदन को सुचारु रूप से नहीं चलने देने पर

केंद्रित रहा है। गुरुवार को राज्यसभा में बोलते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह मुद्दा विहीन हो चुका है। विपक्ष की आदत लगातार गोलपोस्ट बदलने की हो चुकी है।

इनकार किया तो दी गई धमकियां

अभिजीत को मिला था भाजपा में शामिल होने का ऑफर.......

नई दिल्ली। छात्र आंदोलन के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बड़ा खुलासा करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि आंदोलन के दौरान उन्हें भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्ताव ठुकराने पर उन्हें और उनके परिवार को धमकियां दी गईं। दीपके ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोते की उम्र के हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें दबाव में लाने का प्रयास किया गया। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित पक्ष की ओर से तत्काल कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अभिजीत दीपके ने कहा

कि छात्र आंदोलन के दौरान उन पर लगातार दबाव बनाया गया। छत्रपति संभाजीनगर में मीडिया से बात करते हुए दीपके ने दावा किया कि उन्हें भाजपा में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता करने से इनकार कर दिया। इसके बाद कथित रूप से धमकियों का दौर शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष किसी राजनीतिक पद के लिए नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए था। दीपके ने आरोप लगाया कि धमकियां केवल उनके तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनके माता-पिता को भी निशाना बनाया गया। उनके पिता ने भी दावा किया कि एक वीडियो के माध्यम से परिवार को धमकी दी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा की चिंता के चलते परिवार को कुछ समय के लिए घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां रहना पड़ा। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके का कहना है कि आंदोलन के दौरान छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया गया।

बाद में रिकॉर्ड से हटाई गई

मल्लिकार्जुन की मनुस्मृति वाली टिप्पणी पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली/ एजेंसी

एंटी पेपर लीक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मनुस्मृति वाली टिप्पणी पर राज्यसभा में हंगामा हो गया. सभापति ने खरगे को टोका और कहा कि मनुस्मृति का पेपर लीक बिल से क्या लेना-देना है. बीजेपी ने खरगे की टिप्पणी पर आपत्ति जताई. खरगे के बयान पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि खरगे के बयान से अशांति फैलेगी. खरगे की टिप्पणी तथ्यों से परे है. दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा था कि नए सिलेबस में मनुस्मृति की चीजें डाली जा रही

हैं. हालांकि, हंगामे के बाद खरगे की मनुस्मृति वाली टिप्पणी रिकॉर्ड से हटाई गई. इससे पहले नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने जो कहा है, वह मेरी जानकारी में तथ्यों से परे है. मनुस्मृति का ओरिजिनल टेक्स्ट ऑथेंटिकेट करें. राज्यसभा में चर्चा के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कुछ वर्षों में 152 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं. लेकिन एक को भी सजा नहीं हुई. सरकार क्या कर रही थी. क्या एजेंसियां सो रही थीं. शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं है. शैक्षणिक संस्थाओं पर आरएसएस का कब्जा है. बजट में छह फीसदी भागीदारी शिक्षा बजट की होनी चाहिए, लेकिन तीन फीसदी से भी कम है. आपका कहना है कि विश्वविद्यालयों में अच्छे शिक्षक, अच्छे वीसी आएं. लेकिन आप जो सिलेबस बदल रहे हैं, उसमें ये भी आ रहा है- शूद्र के वेद पाठ सुनने पर शीशे और जस्ते से उसके कान भर दिए जाए.

भाकियू ने बिजली समस्याओं पर किया प्रदर्शन

जौनपुर। जौनपुर में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने मंगलवार को विद्युत उपकेंद्र कोतवाली, महाराजगंज पर बिजली समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। तहसील अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में किसानों ने एसडीओ की अनुपस्थिति में जूनियर इंजीनियर (जेई) को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की।डॉ. मनोज कुमार यादव ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है, जिससे धान की रोपाई और सिंचाई का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बार-बार बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से किसान अत्यधिक परेशान हैं।

नीली से भगवा हुई टीम इंडिया की जर्सी

जर्सी नहीं इतिहास बदलने की कोशिश-सांसद प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

ईंडियन हॉकी फेडरेशनने हॉकी वर्ल्ड कप 2026 से पहले से पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी और किट में बड़ा बदलाव किया है। IHF ने भारतीय टीम की जर्सी के रंग को बदलकर भगवा (सैफ्रन) कर दिया है। इसे लेकर पूर्व खिलाड़ियों से लेकर विपक्षी नेताओं ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसे लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल

यूनिफॉर्म का रंग बदलने या शिक्षा नीति से इतिहास नहीं बदला जा सकता। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान विरेन रासक्किना ने हॉकी ईंडिया के इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'शर्मनाक' बताया है। प्रियंका गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार चाहे हॉकी टीम की जर्सी बदल दे या पाठ्यक्रम के जरिए इतिहास को नए सिरे से लिखने का प्रयास करे, देश के युवा सब देख रहे हैं। उन्होंने जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वहां उठी आवाजें देश की असली भावना को दर्शाती हैं। भारत की आजादी की लड़ाई सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर लड़ी गई थी तथा उसमें आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने दावा किया कि यह बात पूरा देश जानता है और जो लोग पहले नहीं जानते थे, वे भी अब इसे समझ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

■ छत्तीसगढ़ के संतुलित और समावेशी विकास का मजबूत आधार बनेगा रेल नेटवर्क का विस्तार

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली प्रवास के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना के विस्तार, नई रेल परियोजनाओं तथा लंबित रेल लाइनों की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है। बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के

संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज़ व्हीकल का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आभार जताते हुए एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी नजर आ रहे हैं। वीडियो के जरिए दावा किया गया है कि डोंगरगढ़-कटघोरा रेल लाइन को स्वीकृति मिल गई है। बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

नई रेल परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर हुई चर्चा

बैठक के दौरान किरंदुल-कोतागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई रेल परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास, खनिज परिवहन, कृषि उत्पादों की सुगम आवाजाही, पर्यटन संवर्धन और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा, 100 करोड़ का बजट प्रावधान

ई-कार्ड से होगा इलाज, रेफर की बाध्यता खत्म, पेंशनरों को भी छ्तास के अनुरूप लाभ देने का प्रस्ताव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शासकीय सेवकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने बताया कि योजना का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार कर लिया गया है और इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है।

राजेश चटर्जी ने बताया कि मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में उन्हें आमंत्रित किया गया था। बैठक में उन्होंने केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (छ्तास) के तहत लागू पैकेज दरों के आधार पर छत्तीसगढ़ के पेंशनरों एवं अन्य पात्र वर्गों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने कहा कि नई योजना लागू होने के बाद राज्य के लगभग पांच लाख शासकीय कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिवारजनों को इलाज के लिए आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। कर्मचारी को ई-कार्ड जारी किया जाएगा, जिसके ऑनलाइन सत्यापन के बाद बिना किसी अग्रिम राशि के अस्पताल में उपचार शुरू हो सकेगा।

राजेश चटर्जी के अनुसार, नई व्यवस्था में पहले की तरह रेफर (Referral) की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अब कर्मचारी को इलाज का खर्च पहले अपनी जेब से नहीं उठाना पड़ेगा। उपचार

का पूरा भुगतान राज्य शासन द्वारा ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (ड्रास्र) के माध्यम से छ्तास पैकेज दरों के अनुसार सीधे अस्पतालों को किया जाएगा। इससे कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने और अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि योजना में चिकित्सा दावों की जांच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित ट्रिगर विश्लेषण तथा नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट (NAFU) के माध्यम से की जाएगी, जिससे फर्जी मेडिकल बिलों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन ने इस योजना को कर्मचारियों के लंबे समय से जुड़े सपनों को साकार करने वाली पहल बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मुख्य सचिव विकासशील, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

गुरु ही ज्ञान, संस्कार और जीवन मूल्यों के सच्चे पथप्रदर्शक हैं: महापौर रामू रोहरा

धमतरी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने समस्त गुरुजनों, आचार्यों, संत-महात्माओं एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। महापौर रोहरा ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, संस्कार और उद्देश्य प्रदान करते हैं। उनके मार्गदर्शन से ही व्यक्ति ज्ञान, चरित्र और सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। समाज और राष्ट्र निर्माण में गुरुजनों की भूमिका

सदैव प्रेरणादायी रही है। उनके आदर्शों और शिक्षाओं का अनुसरण कर हम एक सशक्त, संस्कारित एवं विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं। महापौर रोहरा ने सभी नागरिकों से गुरुजनों के सम्मान एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि गुरु का आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

धान से राखियां और बैज बनाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहीं बिहान की दीदियां

बलौदाबाजार। रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। इस बार बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में यह त्योहार केवल रिश्तों की मिठास तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसानों की मेहनत, प्रकृति के प्रति सम्मान और महिला सशक्तिकरण का भी संदेश देगा।

जिला पंचायत बलौदाबाजार एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से लाहोद क्लस्टर की स्व-सहायता समूह की दीदियों ने भाई की कलाई पर प्यार, धरती मां को उपहार थीम पर धान से आकर्षक राखियां और बैज तैयार किए हैं। शुरू हुई यह अभिनव पहल पारंपरिक रक्षाबंधन को कृषि और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का एक सुंदर प्रयास है। धान के बीजों से बनी ये राखियां केवल एक धागा नहीं, बल्कि अन्नदाता किसानों के श्रम, हरियाली और समृद्धि का प्रतीक हैं। इन्हें देखकर हर किसी के मन में अपनी मिट्टी और खेती के प्रति अपनापन और सम्मान का भाव स्वतः जागृत होता है। लाहोद क्लस्टर की लगभग 7 से 8 स्व-सहायता समूह की करीब 150 दीदियां पूरे उत्साह और लगन से धान के बीजों को कलात्मक रूप देकर राखियां और बैज तैयार कर रही हैं। इन उत्पादों की बिक्री स्थानीय हाट-बाजारों और विभिन्न आयोजनों में की जा रही है, जिससे महिलाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। इससे पहले वे अलग अलग समूह में आचार, पापड़, इमली लाटा, साबुन - निरमा आदि अनेकों उपयोगी सामान बनाकर बेचकर सालाना लाखों रुपए का आय अर्जित करती थी। यह पहल न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी नई पहचान दिला रही है। बिहान की दीदियों का कहना है कि कभी वे केवल घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, लेकिन शासन की योजनाओं से जुड़कर आत्मविश्वास के साथ नए-नए आजीविका गतिविधियों में भाग ले रही हैं। धान से राखियां तैयार करने जैसी रचनात्मक पहल ने उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है। वे इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि शासन की योजनाओं ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। बिहान की यह अनूठी पहल इस रक्षाबंधन पर प्रेम, प्रकृति, कृषि और आत्मनिर्भरता का संदेश एक साथ दे रही है। धान के बीजों से सजी ये राखियां न केवल भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करेंगी, बल्कि हर कलाई पर किसान के सम्मान और धरती मां के प्रति कृतज्ञता का भाव भी बांधेंगी।

उप स्वास्थ्य केंद्र रावन में रूफटॉप सोलर सिस्टम का शुभारंभ

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, रावन द्वारा मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री एवं प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा के मार्गदर्शन में ऊर्जा संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उप स्वास्थ्य केंद्र, रावन में रूफटॉप सोलर सिस्टम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जनपद सदस्य पूर्णिमा संजू लहरी, सरपंच अमर सिंह नेताम, उपसरपंच टाकेश्वर वर्मा एवं पंच तेजस्वी वर्मा, उपस्वास्थ्य केन्द्र के आरएचओ प्रदीप कुमार पटेल, मनीषा पटेल, मितानिन एवं ग्रामवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने फीता काटकर सोलर सिस्टम का शुभारंभ कर इस जनहितकारी पहल का उद्घाटन किया। रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित होने से उप स्वास्थ्य केंद्र को

स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा उपलब्ध होगी, जिससे विद्युत आपूर्ति अधिक विश्वसनीय बनेगी तथा बिजली व्यय में कमी आएगी। साथ ही बिजली चले जाने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन निर्बाध रूप से हो सकेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में उपस्थित जनपद सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, आरएचओ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह परियोजना ऊर्जा संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय तथा टीम से सुरेन्द्र यादव, जानकी यादव, ताराचंद वर्मा, सुनिता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू की भूमिका रही।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

जन्मदिन पर पोस्टर नहीं, पेड़ लगाएं समर्थक

विधायक रिकेश सेन की समर्थकों से की अपील

सरकारी पोल से तत्काल पोस्टर हटाने के निर्देश

भिलाई नगर, 30 जुलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने अपने आगामी जन्मदिन को लेकर समर्थकों और कार्यकर्ताओं से एक बेहद अनूठी और अनुकरणीय अपील की है। उन्होंने आगामी 10 अगस्त को अपने जन्मदिन के अवसर पर शहर में पोस्टर-बैनर लगाने की होड़ को छोड़कर, अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण की प्रतियोगिता करने का आह्वान किया है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि अमूमन जन्मदिन के मौके पर समर्थक बड़ी संख्या में बधाई संदेशों के पोस्टर लगाते हैं, जिससे सार्वजनिक संपत्तियों की सुंदरता प्रभावित होती है। उन्होंने इस बार समर्थकों से ऐसी किसी भी प्रतिस्पर्धा से दूर रहने को कहा है। इसके बजाय, विधायक ने हर समर्थक से इस दिन को पर्यावरण के प्रति समर्पित करते हुए पौधरोपण अभियान चलाने की बात कही है।

सरकारी खंभों पर पोस्टर लगाने पर सख्त मनाही- विधायक ने साफतौर पर निर्देश जारी करते हुए कहा है कि नगर निगम क्षेत्र के किसी भी सरकारी पोल (खंभे) या सार्वजनिक स्थान पर उनका कोई भी बधाई पोस्टर न लगाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई समर्थक उत्साह में आकर सरकारी पोल पर पोस्टर लगाता भी है, तो उसे तत्काल वहां से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों को विरूपित करने के बजाय हमारा ध्यान पर्यावरण को बेहतर बनाने पर होना चाहिए।

पोस्टर की जगह 'पौधा' बने जन्मदिन का उपहार- रिकेश सेन की इस पहल का सीधा संदेश है कि उत्सवों को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़ा जाए। उन्होंने समर्थकों से अपील की है कि 10 अगस्त को जन्मदिन की बधाई देने के लिए पोस्टर लगाने के बजाय, एक पौधा लगाया जाए। यदि क्षेत्र के समर्थक इस अपील को एक बड़े अभियान का रूप देते हैं, तो आगामी 10 अगस्त को पूरे वैशाली नगर क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर पर पौधरोपण हो सकता है, जिससे शहर को एक नई हरियाली और स्वच्छ हवा मिलेगी।

धमतरी जिले में अब तक औसत से 6.8 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज

धमतरी। जिले में मानसून की गतिविधियां लगातार बनी हुई हैं। 29 जुलाई 2026 की स्थिति में धमतरी जिले में एक जून से अब तक औसतन 558.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों की इसी अवधि की औसत वर्षा 523.2 मिलीमीटर की तुलना में 106.8 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि जिले में अब तक सामान्य से 6.8 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से 29 जुलाई तक मगरलोड तहसील में सर्वाधिक 603.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके बाद कुकरेल में 608.0 मिमी, धमतरी में 594.5 मिमी, बेलरगांव में 544.6 मिमी, कुरूद में 534.9 मिमी, भखारा में 633.3 मिमी तथा नगरी में 393.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसी प्रकार 29 जुलाई को दर्ज की गई दैनिक वर्षा में धमतरी में 92.2 मिमी, कुरूद में 85.8 मिमीए मगरलोड में 100.8 मिमी, भखारा में 96.6 मिमी, नगरी में 55.0 मिमी, कुकरेल में 105.0 मिमी तथा बेलरगांव में 100.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। पिछले 10 वर्षों की औसत वर्षा की तुलना में मगरलोड में 123.4 प्रतिशत, भखारा में 116.7 प्रतिशत, कुकरेल में 110.2 प्रतिशत, धमतरी में 109.2 प्रतिशत, कुरूद में 108.1 प्रतिशत तथा बेलरगांव में 104.7 प्रतिशत वर्षा दर्ज हुई है।

वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की दिशा में ऐतिहासिक पहल, सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली द्वारा जारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP), 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का 29 जुलाई को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में आयोजित समापन समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर की प्रेरणादायी संकल्पना के अनुरूप आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर छोटे-मोटे विवादों का संवाद एवं मध्यस्थता के माध्यम से सौहार्दपूर्ण समाधान कर ÷वाद-मुक्त ग्रामीण भारत÷ के संकल्प को साकार करना है। 25 से 29 जुलाई तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम में दुर्ग जिले के घुघसीडीह, ननकट्ठी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल ग्रामों से चयनित कम्यूनिटी मीडियेटर्स ने उत्साह एवं

समर्पण के साथ सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान सामुदायिक मध्यस्थता की अवधारणा, मध्यस्थता के मूल सिद्धांत, प्रभावी संवाद कौशल, सक्रिय श्रवण, विवाद विश्लेषण, व्यवहारिक मध्यस्थता तकनीक, नैतिक मूल्यों तथा ग्राम स्तर पर विवादों के शांतिपूर्ण निराकरण से संबंधित विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने समूह चर्चा, भूमिका निर्वहन (Role Play) तथा विभिन्न व्यवहारिक अभ्यासों के माध्यम से मध्यस्थता की बारीकियों को समझा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के. विनोद कुजूर के सतत मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने बताया कि प्रशिक्षित कम्यूनिटी मीडियेटर्स अपने-अपने ग्रामों में सामाजिक, पारिवारिक एवं सामुदायिक स्तर पर उत्पन्न होने वाले छोटे-छोटे विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं प्रभावी समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शांति, सद्भाव एवं संवाद की संस्कृति को मजबूत करने में मदद मिलेगी। समापन अवसर पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी कम्यूनिटी मीडियेटर्स को स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत की अध्यक्षा सुषमा लकड़ा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह प्रमाण-पत्र उनके प्रशिक्षण पूर्ण करने के साथ-साथ समाज में शांति, संवाद एवं सामाजिक समरसता के संवाहक के रूप में उनकी नई जिम्मेदारी का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए गठित समन्वय समिति में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत की अध्यक्षा सुषमा लकड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत, सचिव उमेश कुमार भागवतकर, व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) मुस्कान शर्मा एवं पंकज शर्मा शामिल रहे। समिति द्वारा प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों के समन्वय, सुचारू संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा इस पहल के लिए मल्टी-सेक्टोरल एप्रोच अपनाते हुए विभिन्न विभागों, विधि महाविद्यालयों, पैरालीगल वालंटियर्स, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया गया। जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग का भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने वाद-मुक्त, शांतिपूर्ण एवं सामाजिक रूप से समरस ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों से सामुदायिक मध्यस्थता की यह पहल भविष्य में सामाजिक परिवर्तन की प्रभावी एवं अनुकरणीय मिसाल बनेगी।

मलेरिया का कहर: तीन मौतों से दहशत, स्टाफ की कमी ने बिगाड़ी व्यवस्था, एक-एक बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज

कवर्धा। जिले के वनांचल एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी के सेक्टर में इन दिनों मलेरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बहनाखोदरा, सोनवाही, जामुनपानी, समनापुर, मराड़बरा, शीतलपानी, दादुटोला सहित लगभग 10 से 15 गांव पिछले 15 से 20 दिनों से मलेरिया की चपेट में हैं। लगातार बढ़ते संक्रमण ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है और स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक प्रभावित क्षेत्र में प्रतिदिन 10 से 15 नए मरीज बुखार और मलेरिया के लक्षणों के साथ उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला पहुंच रहे हैं। वहीं पिछले एक सप्ताह में 35 से 40 लोग मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी सामने आई है। क्षेत्र में बीमारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे गांवों में दहशत का माहौल है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्थानीय लोगों के अनुसार चिल्फी सेक्टर में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि इन मौतों के कारणों की आधिकारिक पुष्टि स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जाना शेष है, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय

रहते व्यापक स्तर पर रोकथाम और उपचार की व्यवस्था नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला पर अत्यधिक दबाव है। अस्पताल में बेड कम पड़ने की स्थिति बन गई है और एक-एक बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इससे मरीजों को असुविधा होने के साथ संक्रमण नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण उपचार की व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल स्वास्थ्य विभाग की मानव संसाधन व्यवस्था पर उठ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले से ही डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी से जूझ रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला के कर्मचारियों को भी शासन के नियमों के विपरीत अन्य स्थानों पर अटैच कर दिया गया है। ऐसे समय में, जब हर वर्ष बरसात के मौसम में इस क्षेत्र में मलेरिया और डायरिया का प्रकोप सामान्य रूप से बढ़ जाता है, तब स्वास्थ्य संस्थान से स्टाफ कम करना दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों के हितों के विपरीत माना जा रहा है। यह पूरा इलाका आदिवासी एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय की बहुलता वाला क्षेत्र है।

अधिकांश गांव घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे हुए हैं, जहां समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना स्वयं एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला हजारों ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा की भूमिका निभाते हैं। इसलिए इन संस्थानों में पर्याप्त डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन और दवाइयों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक मानी जा रही है। हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचकर सर्वे, जांच, दवा वितरण और जागरूकता अभियान चला रही हैं। बुखार पीड़ितों की जांच की जा रही है तथा गंभीर मरीजों को आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर भी किया जा रहा है। विभाग द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए फॉगिंग, लार्वा नियंत्रण एवं दवा वितरण जैसी गतिविधियां भी संचालित किए जाने की जानकारी मिल रही है। इसके बावजूद ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए केवल नियमित व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी। आवश्यकता इस बात की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झलमला और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्फी में तत्काल अतिरिक्त चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, पर्याप्त बेड और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था की जाए। साथ ही अन्यत्र अटैच किए गए स्वास्थ्य कर्मचारियों को वापस मूल पदस्थापना स्थल पर भेजा जाए, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल सके। बरसात के इस संवेदनशील मौसम में यदि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने समय रहते संसाधनों को मजबूत नहीं किया, तो मलेरिया और डायरिया जैसी बीमारियां और अधिक भयावह रूप ले सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

80वें स्वतंत्रता दिवस पर छत्तीसगढ़ में भाजपा का बड़ा अभियान, 3 हजार स्थानों पर निकलेगी तिरंगा यात्रा

रायपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ भाजपा बड़े स्तर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाने की तैयारी में जुट गई है। प्रदेश में 10 से 15 अगस्त तक अभियान के तहत करीब 3 हजार स्थानों पर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इन आयोजनों में मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।राष्ट्रीय भाजपा संगठन के निर्देश पर देशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भी अभियान को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रदेश स्तर के साथ ही जिला स्तर पर भी आयोजन के लिए समितियां और टीमें गठित की जा रही हैं। संगठन ने सभी जिलों में 31 जुलाई तक बैठकें पूरी करने के निर्देश दिए हैं।अभियान के लिए प्रदेश स्तर पर समिति का गठन किया गया है, जिसमें यशवंत जैन को संयोजक बनाया गया है। भाजपा इस बार प्रदेश के 476 मंडलों पर विशेष फोकस करेगी। प्रत्येक मंडल में प्रमुख तिरंगा यात्रा के अलावा अन्य स्थानों पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में स्वतंत्रता दिवस से जुड़े कार्यक्रम बड़े स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।

खेत में जोताई के दौरान करंट की चपेट में आया किसान, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में खेत की जोताई कर रहे किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बैगा टोला निवासी 43 वर्षीय महेश वर्मा के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।जानकारी के मुताबिक, महेश वर्मा मंगलवार को अपने खेत में जोताई का काम कर रहे थे। इसी दौरान खेत में बोरवेल के लिए बिछाई गई बिजली लाइन के संपर्क में आने से उन्हें तेज करंट लग गया। करंट की चपेट में आने के बाद वह गंभीर रूप से झुलसकर खेत में गिर पड़े।हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए खैरागढ़ सिविल अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।किसान की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। परिवार में मातम पसरा हुआ है, वहीं घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बोरवेल के लिए बिछाई गई बिजली लाइन के संपर्क में आना बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मेकाहारा के इमरजेंसी वार्ड में लगी आग, मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया; दमकल की टीम ने संभाला मोर्चा

रायपुर। राजधानी रायपुर के जेल रोड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) के इमरजेंसी वार्ड में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की गई।जानकारी के अनुसार, मेकाहारा के कैजुअल्टी वार्ड में दोपहर के समय अचानक आग लग गई। आग लगने की खबर फैलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।घटना की सूचना मिलने पर मोदहापारा पुलिस भी मौके पर पहुंची। वार्ड में धुआं भरने के कारण ब्लोअर की मदद से धुआं बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय रहते इमरजेंसी वार्ड में भर्ती सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, एसी या मॉनिटर में ब्लास्ट के बाद आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और अस्पताल प्रबंधन मामले की जांच में जुटे हैं।

यातायात पुलिस की सतर्कता से चोरी की बाइक बरामद, क्यूआरटी 1 टीम की सराहनीय कार्रवाई

रायपुर। राजधानी रायपुर की यातायात पुलिस ने सतर्कता और तकनीकी जांच के दम पर चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद कर सराहनीय सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई 26 जुलाई की शाम राम मंदिर वीआईपी चौक पर यातायात व्यवस्था के दौरान की गई। जानकारी के अनुसार, क्यूआरटी-1 टीम में तैनात प्रधान आरक्षक रामूराम महिलांगे और आरक्षक संजय नेताम ने एक मोटरसाइकिल पर तीन युवकों को आते देखा। वाहन की नंबर प्लेट संदिग्ध लगी, क्योंकि आगे की नंबर प्लेट के अंतिम चार अंक मुड़े हुए थे और पीछे नंबर प्लेट ही नहीं थी। शक होने पर पुलिस ने बाइक को रोककर पूछताछ की, लेकिन चालक वाहन के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल डिवाइस के माध्यम से वाहन के पंजीयन और तकनीकी विवरण की जांच की। शुरुआती जानकारी में वाहन किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत मिला, लेकिन संपर्क करने पर उसने बताया कि उसकी बाइक सुरक्षित घर पर खड़ी है। इसके बाद पुलिस ने चेचिस नंबर का मिलान किया।

उप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

धरती का श्रृंगार हैं वृक्ष,प्रत्येक व्यक्ति पौधरोपण का संकल्प ले

- एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत हुआ पौधरोपण
- जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और धरती को जीवनदायी बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की आवश्यकता है।

रायपुर/ संवाददाता

वृक्ष धरती का श्रृंगार ही नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण कर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज गुरु पूर्णिमा एवं अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा बिलासपुर के पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वन महोत्सव में ये बातें कही। उन्होंने इस अवसर पर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पौधरोपण किया। श्री साव ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने वन विभाग के ''पौधा तुंहर दुवार'' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिक्षा के मंदिर में वृक्षारोपण होना अत्यंत सुखद एवं प्रेरणादायी है। गुरु त्याग, समर्पण और ज्ञान के प्रतीक होते हैं। आज का दिन गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है। आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस भी है, जो हमें वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मानव शरीर अनेक अंगों से मिलकर बना है, उसी प्रकार पृथ्वी पर जीवन के संतुलन के लिए वृक्ष अत्यंत आवश्यक हैं। जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और धरती को जीवनदायी

बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधरोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का दायित्व भी निभाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथउप मुख्यमंत्री ने वन महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने वन महोत्सव में कहा कि वन मानव जीवन और प्रकृति के संतुलन का आधार हैं। वनों की अंधाधुंध कटाई के दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन एवं अन्य विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण का संकल्प भी ले। सीसीएफ श्री मनोज पांडे ने वन महोत्सव का महत्व बताते हुए कहा कि वर्ष 1950 से प्रारंभ हुआ यह अभियान आज भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बना हुआ है। विधायक श्री दिलीप लहरिया, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, बिलासपुर जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, बिल्हा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री रामकुमार कौशिक, कुलपति डॉ. विरेन्द्र कुमार सारस्वत, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम के आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, वनमंडलाधिकारी श्री नीरज कुमार, श्री मोहित जायसवाल और श्री राजेश सिंह ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

आउटडोर विज्ञापन और दुकानों की ब्रांडिंग पर निगम सख्त.......

- बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाने पर 50 हजार तक जुर्माना

रायपुर | संवाददाता

राजधानी में आउटडोर विज्ञापन और दुकानों की ब्रांडिंग को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। आउटडोर एडवरटाइजमेंट पॉलिसी-2024 के तहत दुकानदारों, विज्ञापन एजेंसियों, राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ई-चालान के जरिए कार्रवाई की जाएगी और भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत दुकानदार अपनी दुकान पर केवल प्रतिष्ठान और संचालक का नाम प्रदर्शित कर सकेंगे। किसी कंपनी या ब्रांड का प्रचार, ऑफर, डिस्काउंट, एलईडी डिस्प्ले अथवा अन्य विज्ञापन सामग्री लगाने के लिए नगर निगम से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति ब्रांडिंग, सेल, ऑफर, डिस्काउंट बोर्ड, एलईडी स्क्रीन या प्रचार सामग्री लगाने पर संबंधित प्रतिष्ठान पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। नगर निगम ने अनधिकृत आउटडोर विज्ञापनों पर भी कार्रवाई के प्रावधान तय किए हैं। बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग पर न्यूनतम 1 लाख रुपये, जबकि बल्ब विज्ञापन पर प्रति आयोजन 10 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं, बिना अनुमति हवाई विज्ञापन करने पर 2 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। शहर में अवैध पोस्टरबाजी और सार्वजनिक संपत्तियों के विरूपण को रोकने के लिए नगर निगम ने सभी 10 जोनों में पोस्टर और फ्लेक्स लगाने के लिए निर्धारित नि:शुल्क स्थान तय किए हैं। इनमें जोन-1 में दम्मानी पेट्रोल पंप, गुढ़ियारी पड़ाव और पैराडाइज होटल, जोन-2 व 3 में एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड, जोन-4 में पुराना धरना स्थल बूढ़ातालाब, जोन-5 में गोल चौक।

रायपुर निगम की बड़ी कार्रवाई: नाले पर बने 20 अवैध पाट तोड़े

रायपुर। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से रायपुर नगर पालिक निगम ने जोन-6 के वार्ड क्रमांक 60 में बड़ी कार्रवाई करते हुए भैरव नगर से बोरिया रोड तक नाले पर बने करीब 20 अवैध पाटों को जेसीबी मशीन से हटाया। कार्रवाई के दौरान नाले से लगभग 3 डंपर मलबा भी निकाला गया। नगर निगम ने यह कार्रवाई महापौर मीनल चौबे और आयुक्त सॅबित मिश्रा के निर्देश पर की। जोन-6 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान वार्ड पार्षद रमेश सपहा और जोन स्वास्थ्य अधिकारी आदिव्य हजारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि नाले पर बने अवैध पाटों के कारण सफाई कार्य में लगातार बाधा आ रही थी।

नैनो डीएपी से खेती में नई उम्मीद

ग्राम फुनगा के किसान बाबालाल ने पहली बार अपनाया नैनो खाद

- पिछले वर्ष किसानों को मिले बेहतर परिणामों से हुए प्रेरित, कम लागत में बेहतर उत्पादन की उम्मीद

रायपुर/ संवाददाता

आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग के प्रयासों और किसानों के अनुभवों का असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम फुनगा निवासी किसान बाबालाल ने इस खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है। किसान बाबालाल ने अपनी खेती के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति पहुंचकर नैनो डीएपी प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि खेती में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने इस वर्ष अपनी फसल में पहली बार नैनो डीएपी के उपयोग का फैसला किया है। बाबालाल ने बताया कि पिछले वर्ष उनके गांव और आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी का उपयोग किया था। उनके खेतों में फसल की बढ़वार अच्छी दिखाई दी और उत्पादन भी बेहतर रहा। आसपास के किसानों की फसलों में सकारात्मक परिणाम देखने के बाद उनका भरोसा नैनो डीएपी के प्रति बढ़ा और उन्होंने स्वयं भी इसे अपनी खेती में आजमाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा मैं पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग कर रहा हूं।

मनकीबघेल ने स्पान संवर्धन योजना से 2 माह में कमाए 15 हजार रुपये

रायपुर | संवाददाता

स्पान संवर्धन योजना छत्तीसगढ़ शासन के मत्स्य पालन विभाग द्वारा चलाई जा रही एक कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मछली बीज (स्पान) का स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाना, आदिवासी और स्थानीय मत्स्य कृषकों को वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन सिखाना और उनकी आय में वृद्धि करना है। योजना के तहत मत्स्य कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त मछली बीज (स्पान) और नर्सरी जाल बिल्कुल मुफ्त दिए जाते हैं। किसानों को तालाब की तैयारी, स्पान संचयन, नर्सरी प्रबंधन और जल की गुणवत्ता सुरक्षित रखने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। छत्तीसगढ़ शासन के मछली पालन विभाग की स्पान संवर्धन योजना बस्तर जिले के ग्रामीण किसानों के लिए आर्थिक स्वावलंबन का एक नया और सशक्त जरिया बन रही है। योजना का लाभ उठाकर बस्तर विकासखंड के ग्राम सिवनी की महिला किसान मनकी बघेल ने महज दो महीने में 15 हजार रुपये की अतिरिक्त कमाई कर क्षेत्र में एक मिसाल कायम की है। मत्स्यपालन विभाग द्वारा मई माह में मनकी बघेल को मिश्रित प्रजाति के लगभग 25 हजार स्पॉन उपलब्ध कराए गए थे। इसके साथ ही तालाब की उर्वरता बढ़ाने के लिए खाद और आहार के रूप में खल्ली दी गई। मनकी ने अपने परिवार के 1 एकड़ में फैले 2 तालाबों में स्पॉन का संवर्धन किया। नियमित आहार, देखभाल और जाल चलाकर की गई निगरानी के बल पर कम समय में उच्च गुणवत्ता की मत्स्य अंगुलिकाएं तैयार हो गईं। विभाग ने तैयार मत्स्य बीज को सुरक्षित बाजार तक पहुंचाने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर, पॉलिथीन बैग, बोरी और जाल नि:शुल्क उपलब्ध कराए। मनकी बघेल के भतीजे सुखलाल बघेल ने बताया कि अब तक लगभग 30 किलोग्राम मत्स्य अंगुलिकाएं 500 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेची जा चुकी हैं, जिससे परिवार को 15 हजार रुपये की सीधी आय हुई है। वर्तमान में तालाब में करीब 50 किलोग्राम अंगुलिकाएं बिक्री के लिए और तैयार हैं, जिनसे आगे भी अच्छी कमाई की उम्मीद है। सुखलाल के अनुसार, अंगुलिका उत्पादन पारंपरिक मछली पालन की तुलना में अधिक लाभदायक साबित हो रहा है। बघेल परिवार 7 एकड़ भूमि में खरीफ सीजन के दौरान उन्नत धान और रबी सीजन में नदी किनारे 2 एकड़ में मक्का व सब्जियों की खेती करता है।

रायपुर में मोबाइल लूट का खुलासा, कबीर नगर पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने मोबाइल लूट के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है, जबकि वारदात में शामिल उसके दो अन्य साथियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी राम कुमार शुक्ला ने थाना कबीर नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 5 जून 2026 की रात वह उरला से साइकिल पर अपने घर कुम्हारी जा रहा था। रात करीब 8:30 बजे तेंदुआ ओवरब्रिज के पहले रिंग रोड के पास मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उसे रोक लिया। एक युवक ने भवानी इस्पात का पता पूछने के बहाने उसकी पैंट की जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया और तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले में थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 114/26 के तहत धारा 309(4) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ की तथा आरोपियों के हुलिए, वारदात के तरीके और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं।

सेवा सेतु ने आसान की सरकारी सेवा,तीन दिन में मिला आय प्रमाण पत्र

- ग्राम चनवारीडांड के अनूप चंद सोनवानी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का जताया आभार
- ऑनलाइन व्यवस्था से घर बैठे मिली समयबद्ध सुविधा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया सेवा सेतु पोर्टल आम लोगों के लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़ अंतर्गत ग्राम चनवारीडांड निवासी अनूप चंद सोनवानी को अपनी पुत्री लक्ष्मी का आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने पर महज तीन दिनों में प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। अनूप चंद सोनवानी ने 19 जुलाई 2026 को अपनी पुत्री लक्ष्मी के आय प्रमाण पत्र के लिए सेवा सेतु पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए 22 जुलाई 2026 को आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र मिलने से अनूप चंद सोनवानी को अपनी पुत्री से संबंधित आवश्यक कार्य समय पर पूरा करने में सुविधा हुई। हितग्राही अनूप चंद सोनवानी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले आय प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने के लिए कई बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इससे लोगों को समय और श्रम दोनों खर्च करने पड़ते थे। वहीं सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने से प्रक्रिया काफी सरल और सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन व्यवस्था के कारण आवेदन के लिए अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ी और निर्धारित समय में प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे न केवल समय की बचत हुई, बल्कि शासकीय सेवाओं को लेकर पारदर्शिता और सुविधा का भी अनुभव हुआ। अनूप चंद सोनवानी ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ अधिक आसानी से मिल रहा है। ऑनलाइन आवेदन की सुविधा से लोगों का समय बच रहा है, कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर कम हो रहे हैं और निर्धारित समय में सेवाएं मिलने से शासन की व्यवस्थाओं के प्रति आमजन का विश्वास भी मजबूत हो रहा है। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल राज्य सरकार की ऐसी उपयोगी पहल है।

कांवड़ यात्रा मार्ग, विश्राम स्थलों एवं मंदिर परिसरों का लिया जायजा

उपमुख्यमंत्री ने किया बूढ़ा महादेव से खुड़िया तक सावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण.......

- बूढ़ा महादेव, राजा नवागांव, भोरमदेव, डोंगरिया और खुड़िया में कांवड़ियों के विश्राम सुविधा के लिए दिए निर्देश
- पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और ठहरने की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

पवित्र सावन मास में मध्यप्रदेश के नर्मदा नगरी अमरकंटक से जल लेकर भगवान बूढ़ा महादेव एवं भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक करने आने वाले हजारों कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कबीरधाम जिले में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज बूढ़ा महादेव मंदिर कवर्धा से लेकर भोरमदेव, राजानवागांव, डोंगरिया और मुंगेली जिला के ग्राम खुड़िया तक विभिन्न विश्राम स्थलों, कांवड़ यात्रा मार्ग एवं मंदिर परिसरों का साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात और ठहरने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सावन माह में हजारों कांवड़िए और श्रद्धालु इस मार्ग से यात्रा करते हैं। उनकी सुविधा के लिए विभिन्न पड़ावों पर विश्राम स्थलों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अमरकंटक में कांवड़ियों के लिए विश्राम और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि 20-20 लाख रुपए की लागत से खुड़िया और लमनी में प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया हैं। उन्होंने आज इन व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भोरमदेव में कांवड़ियों के लिए तैयार किए जा रहे विश्राम स्थल एवं स्वदेश दर्शन योजना के तहत निर्माणाधीन हॉल का निरीक्षण किया।

संपादकीय

असली सुधार चाहिए, छात्रों का भरोसा जीतने निकली सरकार

आखिरकार शिक्षा मंत्री प्रधान ने इस्तीफा दे ही दिया। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के बीच, पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि सरकार सख्त कदम उठाएगी। इसके बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज सुनी गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार रात अपने संदेश में यह आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पेपर लीक के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी। इसके कुछ घंटों बाद ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसी से मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज अनसुनी नहीं रह गई है। एनटीए में सुधार। हाल के बरसों में पेपर लीक जितनी बड़ी समस्या बन चुका है, उसे देखते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई जरूरी है। हालांकि यह भी ध्यान में रहना चाहिए कि देश में कई बार कानून की कमी से ज्यादा उसका पालन चुनौतीपूर्ण होता है। एनटीए की कमियां और सीमित क्षमता कई बार सामने आ चुकी है। इसमें सुधार के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि संस्थागत मजबूती जरूरी है। एड-हॉक की व्यवस्था ने बरसों से परेशान किया है। अब स्थायी और मजबूत सिस्टम चाहिए। अदालत की निगरानी। यह महत्वपूर्ण है कि केंद्र द्वारा नीट में किए जा रहे सुधारों की सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी करेगा। असल में बार-बार की गड़बड़ियों की वजह से सिस्टम से स्टूडेंट्स का भरोसा कमजोर हुआ है। वे अब मूलभूत बदलाव चाहते हैं और शीर्ष अदालत की निगरानी से इसमें मदद मिलेगी। शुक्रवार का एक बेहद अहम घटनाक्रम रहा सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच दूसरे दौर की बातचीत। भले कोई समाधान नहीं निकला, पर इसे सकारात्मक मानना चाहिए। जन-आंदोलन का नतीजा आखिरकार संवाद से ही निकलता है। दोनों पक्ष तीसरे दौर की वार्ता के लिए सहमत हुए है, जो आज दोपहर में होनी है। हालांकि, सबसे बड़ा मतभेद है शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग। सीजेपी और विपक्ष इस पर अड़ा है, जबकि सरकार अभी परीक्षा सुधारों पर जोर दे रही है। सीजेपी के आंदोलन को स्टूडेंट्स ने अपना बना लिया है, क्योंकि सुरक्षित व पारदर्शी परीक्षा उनके भविष्य से जुड़ा है। आज हालात यहां तक इसलिए पहुंचे, क्योंकि जिम्मेदार लोग बार-बार नाकाम रहे। सीजेपी ने परीक्षा प्रणाली में रिफॉर्म्स के लिए सरकार को पांच सुझाव दिए है। केंद्र को इन पर खुले दिल से विचार करना चाहिए। आज समाज, न्यायपालिका और सरकार जिन सवालों से जूझ रहे है, उनका जवाब मिलकर ही निकाला जा सकता है।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण !

लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी।

(ललित गर्ग)

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वहीं सरकार ने इस बार नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निर्माताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन में जब सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एंट्री होती है, वह भूख हड़ताल पर बैठ जाते हैं और जब भूख हड़ताल एक-एक दिन करके लंबी चलने लगती है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा यह आंदोलन देश के कुछ राजनेताओं के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एक शानदार पर्यटन स्थल बन जाता है, जिसके चलते धरनास्थल पर बहुत तेज़ी से छोटे व बड़े राजनेताओं का तांता लगने लग जाता है। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की स्थिति कुछ लोगों व राजनेताओं के द्वारा देश राजधानी दिल्ली में बनायी जा रही है, उससे अब यह स्पष्ट होता जा रहा कि लंबे अरसे से आंदोलनरत छात्रों की मूल मांगें राजनीतिकरण के चलते अब पीछे छूट गईं हैं। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को आज कुछ लोगों के गैंग ने छात्र हित के जगह पर्दे के पीछे छिपी सत्ता हथियाने की सीढ़ी से केंद्र व प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन करने का हथियार बना लिया है। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुछ लोगों व राजनेताओं ने पूर्व की भांति ही सत्ता परिवर्तन करने की महत्वाकांक्षा का हथियार बनाते हुए आंदोलन को राजनेताओं की स्वार्थ पूर्ति अखाड़ा बनाकर रख दिया है। हर बार की ही तरह इस बार भी छात्रों के बेहद शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन को कुछ चतुर, चालाक व बेहद ही स्वार्थी राजनेता ने घुसकर के छात्रों व देश युवाओं के केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश को अपने क्षणिक हितों को साधने की ताकतवर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तिगत एजेंडे व हितों की पूर्ति करने व पार्टी के हितों को साधने वाली राजनीतिक जमीन को मजबूत करने वाला आंदोलन बनाकर रख दिया है। छात्रों के नाम पर शुरू हुए आंदोलन में अब छात्रों के हित की बातें बहुत पीछे छूटते जा रही हैं, राजनेताओं के छिपे हुए एजेंडे छात्र व नौजवानों के हितों पर हावी होते जा रहे हैं, कुछ लोगों के द्वारा आंदोलन को हिंसक बनाते हुए राजनीतिकरण किया जा रहा है।

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ़ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरु हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने की लगातार संभावना व्यक्त कर रही हैं, लेकिन फिर भी किसी भी पक्ष को राष्ट्र व छात्रों के हितों की कोई चिंता वास्तव में नज़र नहीं आती है, केवल और केवल किसी भी तरह से सत्ता हथियाने व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा करवाने की चिंता ज्यादा है। हालांकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को दुविधा में डालने से पहले और हंगामा खड़ा होने से पहले ही स्वयं ही नैतिकता के आधार पर बिना किसी भी जोर दवाब के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा स्वेच्छा से पहले ही दे देना चाहिए था और सरकार का विवेक था कि वह धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को स्वीकार करती या अस्वीकार करती। लेकिन छात्रों, अभिभावकों व हमें भी निष्पक्ष रूप से यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पूर्ण हो जाने से भविष्य में देश में पेपर लीक की यह घटनाएं रुक जायेंगी, क्या इस्तीफे से छात्रों व युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो जायेगा। वैसे भी आज की परिस्थितियों में आंदोलनरत छात्रों को भी यह आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए कि आज उनका शांतिपूर्ण आंदोलन कहां आकर के खड़ा हो गया है, क्या आंदोलन पर कब्जा जमाकर के बैठे नेताओं के द्वारा छात्र हित की बातें आज किसी समाधान करने वाले वास्तविक पटल पर उठायी जा रही हैं या इन नेताओं के द्वारा चतुराई से छात्रों की आड़ में अपने-अपने छिपे हुए एजेंडे को पूरा करा जा रहा है। सभी आंदोलनरत छात्रों को ध्यान रखना चाहिए कि हमारे प्यारे देश में ओछी राजनीति कब क्या करा दें, उसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए वह पूरी तरह से सज़ग रहें और शांतिपूर्ण आंदोलन को छात्र व नौजवानों के हितों तक ही सीमित करते हुए किसी भी कीमत पर हिंसक ना होने दें, तब ही देर सबेर छात्रों के हितों की बात को लेकर के कुछ ठोस निर्णय अवश्य होगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्लेशियरों के पिघलने से बन सकती हैं 56,000 नई झीलें, इन देशों में तबाही का खतरा, वैज्ञानिकों ने चेताया

(रिजवान)

दुनिया में 200,000 से 275,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें कुल पानी का 69 फीसदी जमा है। ये ऑस्ट्रेलिया के अलावा हर महाद्वीप पर हैं। ये आर्कटिक, अलास्का, अंटार्कटिका के साथ-साथ हिमालय और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ये ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलकर एशिया समेत दुनिया के बड़े हिस्से के लिए खतरे का सबब बन सकते हैं। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी दी है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन में स्वीडन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के शोधकर्ताओं ने ग्रह पर मौजूद सभी ग्लेशियरों के नीचे की जमीन का नक्शा बनाया और चौंकाने वाले नतीजे पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब इस बर्फ का कुछ हिस्सा गायब हो जाएगा तो पृथ्वी पर 56,659 नई झीलें बनेंगी, जो अभी पूरी तरह से जमी हुई हैं।

इस टीम ने किया विश्लेषण - स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है। उन्होंने जीपीयू और डीप लर्निंग से चलने वाले इंस्ट्रक्टेड ग्लेशियर मॉडल नाम के थ्री-डायमेंशनल आइस फ्लो मॉडल का इस्तेमाल करके ग्लेशियरों के नीचे की जमीन की बनावट का पता लगाया। इस विश्लेषण का मकसद यह समझना था कि अगर ग्लेशियर पूरी तरह से गायब हो जाएंगे तो पृथ्वी की सतह कैसी दिखेगी। यह प्रक्रिया जटिल थी क्योंकि ग्लेशियरों का आधार सीधे दिखाई नहीं देता है और इसके नीचे गहरी घाटियां, गड्ढे, प्राकृतिक बेसिन और ऐसे क्षेत्र छिपे हो सकते हैं, जहां पिघला हुआ पानी जमा हो सकता है।

क्या कहता है अध्ययन - इस स्टडी का मुख्य नतीजा यह था कि भविष्य में 56,659 ऐसी झीलें बन सकती हैं, जिनका कम से कम एरिया 0.05 वर्ग किलोमीटर होगा। ये भविष्य की झीलें 40,647 वर्ग किलोमीटर जगह घेर सकती हैं और इनमें 3,138 घन किलोमीटर तक पानी जमा हो सकता है। यह मात्रा समुद्र के जलस्तर में 7 मिलीमीटर की बढ़ोतरी के बराबर है, जो सीधे महासागरों में बहने के बजाय इन प्राकृतिक जलाशयों में कुछ समय के लिए जमा रहेगा। इसका मतलब है कि बर्फ से मुक्त होने वाली नई जमीन का 6 प्रतिशत हिस्सा झीलों से ढका हो सकता है। स्टडी में इस संख्या की तुलना उन इलाकों में झीलों के कवरेज के ग्लोबल औसत से की गई है, जहां ग्लेशियर नहीं हैं। यह औसत लगभग 2 प्रतिशत है। एशिया के पहाड़ी इलाके चिंता का सबब हैं। स्टडी में ऊंचे पहाड़ी एशियाई इलाके को संवेदनशील माना गया है। इसमें हिमालय, काराकोरम, हिंदू कुश, पामीर और तिएन शान पर्वत श्रृंखलाएं हैं।

एशिया में खतरा क्यों ज्यादा - रिसर्चर्स ने एशियाई इलाके में ग्लेशियर के किनारों के पास बड़े गड्ढे देखे। यह

स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है।

इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लेशियर के सबसे निचले हिस्से के पास बनने वाली झीलें ज्यादा पानी जमा कर सकती हैं। ये आबादी वाली घाटियों, सड़कों, पनबिजली संयंत्रों, खेती वाले इलाकों और गांवों के करीब हो सकती हैं। हाई माउंटेन एशिया में ग्लेशियर के किनारों के बड़े गड्ढे इसका संकेत हैं कि ग्लेशियर की झील फटने से अचानक बाढ़ आने का खतरा है। इस घटना को अंग्रेजी में लख्हल्स कहा जाता है। ये तब होती हैं, जब ग्लेशियर की झील खाली हो जाती है और घाटी में बड़ी मात्रा में पानी, बर्फ और तलछट बहने लगती है।

1.5 करोड़ लोगों पर खतरा - रिसर्च में बताया गया है कि दुनिया में खतरे की चपेट में आने वाली आधी से ज्यादा आबादी सिर्फ चार देशों में है। ये देश- भारत, पाकिस्तान, पेरू और चीन हैं। करीब 1.5 करोड़ लोग ग्लेशियर झीलों से अचानक आने वाली बाढ़ के संभावित असर के दायरे में हैं।

विकास का सलीका, प्रकृति से छेड़छाड़ का बढ़ता हिसाब

अभी तक समझ में यह नहीं आया कि मानवीय शरीर प्रकृति के उन्हीं पांच तत्त्वों से बना है, जिनसे प्रकृति बनी है। कुदरत की अमानत मिट्टी, पानी, वायु, अग्नि और आकाश का जितना खयाल रखेंगे, उतना ही हमारा शरीर बेहतर रहेगा। मानव जीवन प्रकृति पर निर्भर है, लेकिन स्वार्थ के घेरों में कैद इंसान इसे निरंतर नुकसान पहुंचा रहा है। प्रकृति के जीवन को लेकर जिस हद तक उपेक्षा देखी जाती है, वह कई बार परेशान करती है। हिमखंड पिघल रहे हैं, बर्फ नहीं पड़ रही है। यहां तक कि बारिश नहीं होती, लेकिन जब मौसम नाराज होता है, आपदाएं आती हैं, तो स्पष्ट दिखता है कि इंसान की गुस्ताखियों का परिणाम निकल रहा है। मौसम में इस रफ्तार से बदलाव या उतार-चढ़ाव की जड़ें कहां हैं, यह खोजने या उस पर सोचना या तो जरूरी नहीं समझा जाता या फिर इतनी ही जानकारी होती है। वैसे मानवीय प्रवृत्ति ऐसे बदलावों से ज्यादा परेशान नहीं दिखती। कुछ दिन बाद फिर से असंतुलित विकास का स्वागत हो रहा होता है।

(प्रभात कुमार)

विशेषज्ञों की यह चेतावनी भी भुला दी गई है कि इमारतों के मोहल्लों को बुरे वक्त ने जिस लम्हा मनमाने तरीके से गलत कोण पर हिला दिया, उसका नतीजा कहर ही होगा। हम जानते हैं, पर मानते नहीं कि वृक्षों की लगातार कुर्बानी, योजनाओं में फंसे अनियंत्रित यातायात, शहर और अड़ोस-पड़ोस में कंक्रीट के जंगल खड़े करने तथा सड़क निर्माण के लिए जमीन की खुदाई के कारण जलवायु का दुख बढ़ता जा रहा है।

इस बात को भी कभी नहीं स्वीकार करेंगे कि पुरानी इमारतें, रास्ते, तालाब, वृक्ष- सब तब तक स्वस्थ, चुस्त और दरुस्त रहे, जब तक उन्हें बनाने और अनुशासन से संवारने वालों का दखल रहा। इस सक्रिय दखल का श्रेय आमतौर पर अंग्रेजों को जाता है। अपनी चुनी हुई जगहों, वहां बनाई इमारतों, सामान और दूसरी चीजों को संभालने का सलीका पहले के लोगों के पास खूब था। उस समय में बनी इमारतें, रास्ते, पुल और रेलवे की पटरियां इस बात की सच्ची गवाही आज भी देते हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ दशकों के दौरान विकास को शासन और प्रशासन संभाल नहीं सके। विकास के नाम पर जिस स्तर का भ्रम चतुर्दिक छाया रहा, उसने विचारों की स्पष्टता को बाधित किया। शासन और प्रशासन का आपसी मान, सम्मान और तापमान गलतफहमियों में लिपटा, बिगड़ा और असंतुलित रहा। बीमार, लड़खड़ाते, गिरते पहाड़ों का संताप जांचने और उचित इलाज करने का शुभ मुहूर्त कभी नहीं निकल पाया।

विकास से लदी योजनाओं की भरमार से पहाड़ को संवारने और बचाने के लिए ईमानदार प्रयास कभी नहीं हुए। कभी सच की तलहटी में बैठकर यह नहीं सोचा गया कि इन पहाड़ों, नदियों और जंगल को हमारी जरूरत है या हमको इन सबकी। होशियार राजनीति वैसे भी इस तरह के कामों में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखती। पहाड़ पर विकास की बेलगाम दिशा, पानी, मिट्टी, जंगल और हवा को नुकसान पहुंचा रही है। जिन पहाड़ों ने हमें सब कुछ दिया, हमारा जीवन पाला-पोसा, हमने उन्हें ही असुरक्षित कर बिसरा दिया है। क्या कभी किसी को विचार करने की जरूरत पड़ी है कि इसका खमियाजा किसे भुगतना पड़ेगा?

अभी तक समझ में यह नहीं आया कि मानवीय शरीर प्रकृति के उन्हीं पांच तत्त्वों से बना है, जिनसे प्रकृति बनी है। कुदरत की अमानत मिट्टी, पानी, वायु, अग्नि और आकाश का जितना खयाल रखेंगे, उतना ही हमारा शरीर बेहतर रहेगा। मानव जीवन प्रकृति पर निर्भर है, लेकिन स्वार्थ के घेरों में कैद इंसान इसे निरंतर नुकसान पहुंचा रहा है। प्रकृति के जीवन को लेकर जिस हद तक उपेक्षा देखी जाती है, वह कई बार परेशान करती है। हिमखंड पिघल रहे हैं, बर्फ नहीं पड़ रही है।

यहां तक कि बारिश नहीं होती, लेकिन जब मौसम नाराज होता है, आपदाएं आती हैं, तो स्पष्ट दिखता है कि इंसान की गुस्ताखियों का परिणाम निकल रहा है। मौसम में इस रफ्तार से बदलाव या उतार-चढ़ाव की जड़ें कहां हैं, यह खोजने या उस पर सोचना या तो जरूरी नहीं समझा जाता या फिर इतनी ही जानकारी होती है। वैसे मानवीय प्रवृत्ति ऐसे बदलावों से ज्यादा परेशान नहीं दिखती। कुछ दिन बाद फिर से असंतुलित विकास का स्वागत हो रहा होता है।

दुर्घटना के बाद आपातकालीन बैठक, अनुशासन समिति, किसी को भी किसी भी कीमत पर न बख्शने की सख्त घोषणा, समृद्ध लोकतांत्रिक परंपरा बन कर रह गई है। बुरा वक्त धीरे-धीरे करीब आ रहा है, जब हम अपने किए फैसलों के लिए खुद पर बिफरेंगे। एक-दूसरे को कोसेंगे, झगड़ेंगे और आपस में लड़ेंगे, लेकिन तब तक कुदरत की दौलत बर्बाद कर चुके होंगे। पर्यावरण और अधिक असंतुलित हो जाएगा। असीमित नुकसान हो चुका होगा। धन कुबेर तो कहीं भी जा सकते हैं, लेकिन सामान्य, सीधे, सरल, शांत और संतुष्ट बाशिंदों पर क्या गुजरेगी। पर्यटकों को चौड़ी सड़कों के माध्यम से पर्यटक स्थलों पर जल्दी पहुंचाया जा रहा है।

अन्य राजनीतिक योजनाएं भी विचाराधीन हैं, जिन पर सवार होकर ज्यादा पर्यटक और जल्दी पहुंचेंगे। इन योजनाएं से आवाजाही और भगदड़ खूब बढ़ेगी। किसी को फुर्सत नहीं कि कभी पहाड़ों से भी पूछ लें कि क्या वे और जख्मी होने के लिए तैयार हैं। पहाड़ों की सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का जितना भी सहयोग हो, फिर भी कुछ दिनों बाद कोई क्षेत्रीय योजना घोषित होते ही कहा जाने लगता है, फलां क्षेत्र के पर्यटन को लगेंगे पंख। किसी ने पर्यटन को वास्तविक आधार देने के बारे में विचार नहीं किया। सबसे पहले तो संभालने, संवारने और बचाए रखने की ज्यादा जरूरत है।

विशेषज्ञों की यह चेतावनी भी भुला दी गई है कि इमारतों के मोहल्लों को बुरे वक्त ने जिस लम्हा मनमाने तरीके से गलत कोण पर हिला दिया, उसका नतीजा कहर ही होगा। मगर हम उन्मुक्त होकर, खुद को स्वार्थ के चक्र में फंसाकर विकास की मेहमान नवाजी किए जा रहे हैं। खबर आती है कि आने वाले वर्षों में करोड़ों औषधीय पौधे रोपे जाएंगे। कब वे पौधे रोपित होंगे और कब पर्यावरण को फायदा होगा, कह नहीं सकते।

कल्पना कर सकते हैं कि शहर का जन-जीवन वीरान हो जाए। इंसान वहां से चले जाएं, तो जंगलों को कितना आराम मिल सकता है। नदियां स्वच्छ पानी से लबरेज हो सकती हैं। जंगली जानवर, जिन्हें दिन के उजाले में बस्तियों में आकर अपना अधिकार मांगना पड़ता है, उन्हें सत्याग्रह नहीं करना पड़ेगा। वास्तव में ऐसा तो तब ही होगा, जब कुदरत को नुकसान पहुंचाने वाला बुद्धिमान इंसान वहां नहीं होगा।

सवाल यह है कि क्या हम समय रहते पहाड़ से अपने संबंधों को नियंत्रित कर संवेदनशील होना चाहते हैं या सिर्फ अपनी गलतियां ही दोहराते रहेंगे। विदेश में इन मुद्दों पर किस तरह विरोध प्रदर्शन किए जाते हैं, यह जिक्र करना हमारे यहां कोई अर्थ नहीं रखता। फिलहाल तो हमें खुद को बचाने के लिए संभावित विकास के हमलों से बचकर रहने की बहुत जरूरत है।

युवाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर भाजयुमो का सदस्यता अभियान शुरू

कोण्डागांव। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशव्यापी 2026 युवा सदस्यता अभियान का शुभारंभ कोण्डागांव में हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया ने अभियान की शुरुआत करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने और बूथ स्तर तक सदस्यता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया। राहुल टिकरिया ने कहा कि भाजयुमो युवाओं को नेतृत्व, संगठन और जनसेवा का अवसर प्रदान करने वाला सशक्त मंच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का युवा विकास और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक पहुंचकर अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ा जाएगा। विधायक लता उसेंडी ने युवाओं से भाजपा युवा मोर्चा की

सदस्यता लेकर राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठित युवा ही मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र की नींव रखते हैं। भाजयुमो जिलाध्यक्ष नागेश देवांगन ने बताया कि जिले में सदस्यता अभियान मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक चलाया जाएगा। कार्यकर्ता युवाओं से संपर्क कर उन्हें संगठन से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल सदस्यता बढ़ाना नहीं, बल्कि युवाओं को सामाजिक दायित्वों और सेवा कार्यों से भी जोड़ना है। कार्यक्रम में सदस्यता अभियान की रूपरेखा, संगठन विस्तार और आगामी लक्ष्य पर चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

थाना केशकाल पुलिस ने किया विद्यालय में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

केशकाल। थाना केशकाल पुलिस द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय, केशकाल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास बघेल ने विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने, तीन सवारी न बैठाने, तेज गति एवं लापरवाही से वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने के संबंध में जागरूक किया गया विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को समझाइश दी गई जो स्कूटी अथवा मोटरसाइकिल से विद्यालय आते हैं। उन्हें बताया गया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाना कानूनी अपराध है तथा यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के अभिभावकों तक भी मोबाइल संदेश के माध्यम से अपील प्रेषित की गई कि वे

अपने बच्चों को बिना वैध लाइसेंस दोपहिया वाहन न चलाने दें तथा हमेशा हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने के लिए प्रेरित करें। थाना केशकाल पुलिस द्वारा आमजन एवं विद्यार्थियों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। विद्यालय प्रबंधन ने भी इस जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

केशकाल पुलिस ने स्कूल में चलाया यातायात जागरूकता अभियान

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का पढ़ाया पाठ

केशकाल। कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा तथा एसडीओपी अरुण नेताम के मार्गदर्शन में थाना केशकाल पुलिस ने बुधवार को स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय, केशकाल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास बघेल ने प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन नहीं चलाने, तीन सवारी नहीं बैठाने, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन नहीं चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने की समझाइश दी। इस दौरान विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को जागरूक किया गया जो स्कूटी या मोटरसाइकिल से विद्यालय आते हैं। उन्हें बताया गया कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना कानूनन अपराध है और नियमों के उल्लंघन पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी मोबाइल संदेश के माध्यम से अपील भेजी कि वे अपने बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस दोपहिया वाहन न चलाने दें और हमेशा हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में थाना केशकाल पुलिस ने सभी से यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं विद्यालय प्रबंधन ने इस जनजागरूकता अभियान के लिए पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य, ई-केवाईसी और लैंड सीडिंग पूरी करने पर मिलेगा योजना का लाभ

पीएम-किसान से वंचित किसानों के लिए विशेष पंजीयन अभियान शुरू

बीजापुर। जिले के सभी पात्र किसानों तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना का लाभ पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने विशेष पंजीयन अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत ऐसे किसानों का पंजीयन किया जा रहा है, जो अब तक किसी कारणवश योजना से नहीं जुड़ पाए हैं। विभाग ने पात्र किसानों से बिना विलंब आवेदन करने की अपील की है। पीएम-किसान योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए की आर्थिक सहायता तीन समान किश्तों में सीधे आधार से लिंक एवं डीबीटी सक्षम बैंक खाते में अंतरित की जाती है। प्रत्येक किश्त 2 हजार रुपए की होती है। इस राशि का उपयोग किसान बीज, खाद सहित अन्य कृषि कार्यों की जरूरतों को पूरा करने में कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए

किसान के नाम कृषि भूमि होना तथा एग्रीस्टैक (AgriStack) में पंजीयन अनिवार्य है। आवेदन के समय आधार कार्ड (मोबाइल नंबर से लिंक), बी-1, खसरा नकल अथवा ऋण पुस्तिका, आधार से सीडेड एवं डीबीटी सक्षम बैंक खाते की पासबुक की छायाप्रति, सक्रिय मोबाइल नंबर और राशन कार्ड की प्रति प्रस्तुत करनी होगी। पात्र किसान अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र (सीएससी) में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से भी आवेदन जमा किए जा सकते हैं। किसान स्वयं भी पीएम-किसान पोर्टल या मोबाइल ऐप के 'फार्मर्स कॉर्नर' के जरिए स्व-पंजीयन कर सकते हैं। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ निरंतर प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी, भू-अभिलेखों की लैंड सीडिंग तथा बैंक खाते का आधार और डीबीटी से जुड़ा होना अनिवार्य है। वहीं संस्थागत भूमिधारक, पूर्व या वर्तमान संवैधानिक पदधारी, केंद्र एवं राज्य सरकार के नियमित कर्मचारी, 10 हजार रुपए से अधिक मासिक पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनभोगी तथा आयकरदाता परिवार योजना के लिए पात्र नहीं हैं। विभाग ने जिले के शेष पात्र किसानों से अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना जल्द पंजीयन कराने की अपील की है, ताकि वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेकर खेती-किसानी को आर्थिक मजबूती दे सकें।

मलेरिया रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तेज की गतिविधियां, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने की अपील

कांकेर उत्तर बस्तर कांकेर 29 जुलाई 2026 जिले में मलेरिया संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला मलेरिया अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी विकासखण्डों के गांवों में रैपिड फीवर सर्वे कराया जा रहा है। मलेरिया के सकारात्मक प्रकरण पाए जाने पर पॉजिटिव मरीजों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन द्वारा तत्काल दवा की पहली खुराक अपने सामने खिलाया जा रहा है। वहीं उल्टी-दस्त के मरीजों को ओआरएस एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है।जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी आश्रम एवं छात्रावासों में विद्यार्थियों की मलेरिया जांच की गई है।संक्रमित छात्रों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षकों को सभी छात्रों के बिस्तरों में मच्छरदानी का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर मितानिनों के सहयोग से स्रोत नियंत्रण

दल गठित किया गया है, जिनके द्वारा घर-घर जाकर पानी में उत्पन्न होने वाले मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जाएगा। साथ ही जिला एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों के आसपास गड्ढों एवं नालों में पानी जमा न होने दें, यदि पानी जमा है तो उसकी निकासी करवायें अथवा मिट्टी का तेल एवं जला हुआ मोबिल आयॅल डालें, जिससे मच्छर के लार्वा पानी मे ही नष्ट हो जाएगे। सेप्टीक टेंक में लगे हुए पाईप को खुला न छोड़ें, उसके ऊपर जाली अनिवार्य रूप से लगवायें। घर के आस-पास नारियल की खोल, डिस्पोजल, टूटे फूटे बर्तन, टायर, घर लिपाई के लिये घोला गया।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत ग्राम कमेला के 17 छात्राओं को मिली नि :शुल्क साइकिल

कोंडागांव। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत विकासखंड कोंडागांव के ग्राम कमेला स्थित शासकीय हाई स्कूल में 17 छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने कहा कि सरस्वती सायकिल योजना बालिकाओं की नियमित विद्यालयीन उपस्थिति बढ़ाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा शिक्षा के प्रति उनकी रुचि विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सायकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे वे बिना किसी बाधा के नियमित रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। उन्होंने छात्राओं से शिक्षा को अपने जीवन का आधार बनाकर आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान ग्राम कमेला में परमानंद के घर से बंदर के घर तक सी.सी. सड़क एवं शेड निर्माण कार्य (लागत 5.20 लाख) तथा शासकीय हाई स्कूल कमेला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य (लागत 5.00 लाख) का भूमिपूजन भी किया गया। कुल 10.20 लाख की लागत से होने वाले इन विकास कार्यों से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा विद्यार्थियों और ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य रामदई नाग, जनपद पंचायत अध्यक्ष अनिता कोर्राम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, जनपद सदस्य फागेश्वरी, प्रेम सिंह नाग, सुरेश कुमार देवांगन, सुरेश देवांगन, बालसिंह बघेल, संतोष पात्रे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत पर भड़के पेंशनर्स

5 अगस्त को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

किरंदुल। जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत (डीआर) की घोषणा अब तक नहीं किए जाने से प्रदेश के पेंशनरों में गहरा आक्रोश है। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, बस्तर जिला इकाई ने राज्य सरकार से केंद्र के समान देय तिथि जनवरी 2026 से एरियर सहित 2 प्रतिशत महंगाई राहत तत्काल घोषित करने की मांग की है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने पर पेंशनर आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, बस्तर जिला के जिलाध्यक्ष रूप कुमार झाड़ी एवं जिला सचिव मोहम्मद कासिम ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रांतीय इकाई के आह्वान पर आंदोलन के प्रथम चरण के तहत 5 अगस्त को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि इसके बाद भी सरकार द्वारा लंबित महंगाई राहत की घोषणा नहीं की जाती है, तो आंदोलन के दूसरे चरण में संभागीय अध्यक्ष राम नारायण ताटी के नेतृत्व में संभाग स्तर पर व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। महासंघ के पदाधिकारियों ने

कहा कि मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) के अंतर्गत दोनों राज्यों के बीच आपसी सहमति की बाध्यता समाप्त हो चुकी है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार के सामने अब किसी प्रकार की कानूनी बाधा नहीं है और उसे पेंशनरों के हित में लंबित महंगाई राहत की घोषणा तत्काल करते हुए जनवरी 2026 से एरियर सहित भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए। ज्ञापन का समर्थन करने वाले प्रमुख पेंशनरः रूप कुमार झाड़ी, मोहम्मद कासिम, सुभाषचंद्र मंडल, जी.डी. बैरागी, राजेन्द्र यादव, एन.आर. साहू, रेणु राव, शीतल राम मरकाम, राजेन्द्र चौहान, सतपाल सिंह, विश्वनाथ राय, पुष्पा वर्मा, नारायण सिंह नेताम, दिलीप कुमार देवांगन, स्वप्न कुमार साहा, राम कुमार महंती, जोहन ठाकुर, चन्द्रप्रकाश ठाकुर, खेमराज सोम, राम सिंह नाग, गोकुल चंद्रवंशी, रविंद्र नागवंशी एवं सजल सरकार रहे।

बेसिक पुलिसिंग, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, ई-मालखाना, मेडलेपार, ई-साक्ष्य एवं माड़ मैत्री के प्रभावी संचालन पर दिया विशेष जोर

पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल ने ली जिले के पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक

नारायणपुर। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल ने पुलिस कार्यालय, नारायणपुर में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं राजपत्रित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले के समस्त थाना प्रभारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक पटेल ने बेसिक पुलिसिंग को सुदृढ़ करने पर विशेष बल देते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक थाना अपने मूल पुलिस कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना सुनिश्चित करे। उन्होंने सभी थानों के

रिकॉर्ड संधारण की विस्तृत समीक्षा करते हुए अभिलेखों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण, साइबर अपराधों की प्रभावी विवेचना तथा पीड़ितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में मर्ग प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण, मेडलेपार के माध्यम से सभी मर्ग एवं मुलाहिजा प्रकरणों का शत-प्रतिशत ऑनलाइन पंजीयन सुनिश्चित करने तथा ई-प्रॉसिक्यूशन प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। साथ ही विवेचना की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी प्रकरणों में ई-साक्ष्य के माध्यम से जब्ती, घटना स्थल निरीक्षण, गवाहों के कथन एवं अन्य आवश्यक साक्ष्यों का डिजिटल संकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को ई-मालखानामें शत-प्रतिशत दाखिला सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जब्त संपत्तियों एवं मालखाना अभिलेखों का समयबद्ध डिजिटलीकरण एवं नियमित अद्यतन किया जाए, जिससे साक्ष्यों के संधारण एवं न्यायालयीन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित हो सके। समीक्षा के दौरान लंबित अपराध, शिकायतों के निराकरण, विवेचना की प्रगति, वारंट एवं समंस तामील, अपराध नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। सभी अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने, जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा पुलिस कार्यप्रणाली में जवाबदेही एवं दक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल ने जिले में संचालित सामुदायिक पुलिसिंग अभियान माड़ मैत्री को निरंतर एवं प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं आमजन के बीच विश्वास, सहयोग एवं सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए माड़ मैत्री के अंतर्गत आयोजित चौपाल, जनजागरूकता कार्यक्रम, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए, जिससे पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो तथा समाज में विश्वास एवं सुरक्षा का वातावरण और अधिक मजबूत हो। बैठक में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी पुलिस कार्यालय, नारायणपुर में उपस्थित रहे, जबकि जिले के समस्त थाना प्रभारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक के अंत में पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल ने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए प्रभावी पुलिसिंग, गुणवत्तापूर्ण विवेचना, तकनीक आधारित अनुसंधान तथा आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने हेतु समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन के विरुद्ध विशेष अभियान, 21 प्रकरणों में की गई चालानी कार्यवाही

बलरामपुर-रामानुजगंज के मार्गदर्शन में जिले में नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत थाना एवं चौकी पुलिस द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों को चिन्हित कर विद्यालयों की छुट्टी के समय विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। जांच के दौरान नाबालिग छात्र-छात्राओं द्वारा संचालित दोपहिया वाहनों को विधिवत जप्त कर संबंधित थाना/चौकी लाया गया तथा विद्यार्थियों को रिक्शा, ऑटो, बस अथवा अन्य सुरक्षित माध्यम से घर भेजने की व्यवस्था की गई। साथ ही उनके अभिभावकों को थाना/चौकी बुलाकर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 4/181 एवं 5/180 के अंतर्गत ?2,000 की चालानी कार्यवाही की गई तथा भविष्य में नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की सख्त समझाइश दी गई। इसी क्रम में जिले के समस्त विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रधान पाठकों को भी निर्देशित किया गया कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस अथवा नाबालिग छात्र-छात्राओं को किसी भी स्थिति में दोपहिया वाहन से विद्यालय आने की अनुमति न दें। यदि कोई छात्र-छात्रा इस प्रकार वाहन चलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह विशेष अभियान लगातार एक सप्ताह तक चलाया जाएगा, जिसके दौरान चालानी कार्रवाई के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता एवं समझाइश का कार्य भी किया जाएगा। इसके उपरांत भी सुधार नहीं होने की स्थिति में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 199(क) के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिसमे पालक / अभिभावक के ऊपर 25000/- तक जुर्माना एवं 3 वर्ष तक के कारावास का प्रावधान भी है. इस संबंध में आमजन एवं अभिभावकों के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है।

कृत्रिम गर्भाधान से मिली उन्नत नस्ल, अब गाय बनी हितग्राही के लिए मददगार

सारंगढ़। बरमकेला ब्लॉक के ग्राम कंचनपुर की निवासी प्रेम कुमारी सारथी ने आधुनिक पशुपालन को अपनाकर डेयरी व्यवसाय में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनके पास वर्तमान में 5 एचएफएवं जर्सी नस्ल की दुग्धारू गायें हैं, जिनमें से सभी गाय पशुपालन विभाग द्वारा किए गए कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशल इनसेमिनेशन) से उत्पन्न बछिया थी, जो आज एक उच्च उत्पादक दुग्धारू गाय बन चुकी है। वर्तमान में उनकी डेयरी से प्रतिदिन लगभग 25 लीटर दूध का उत्पादन होता है, जिसे वे अमृत डेयरी, बरमकेला को ?40 प्रति लीटर की दर से विक्रय करती हैं। इससे उन्हें प्रतिमाह लगभग ?25,000 की नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। पशु चिकित्सालय, बरमकेला का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विभाग द्वारा समय-समय पर कृत्रिम गर्भाधान, नियमित टीकाकरण, कृमिनाशन, पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार तथा वैज्ञानिक पशुपालन संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। इन सेवाओं से पशुओं का स्वास्थ्य एवं उत्पादकता दोनों में वृद्धि हुई। हितग्राही प्रेम कुमारी सारथी का कहना है कि विभाग के सतत मार्गदर्शन एवं वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को अपनाने से उनका डेयरी व्यवसाय निरंतर प्रगति कर रहा है। आज वे अपने क्षेत्र के अन्य पशुपालकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा आधुनिक पशुपालन अपनाने के लिए लोगों को भी प्रेरित कर रही हैं।

एसडीएम और खाद्य अधिकारी बने 'निक्षय मित्र', टीबी मरीजों को लिया गोद

सारंगढ़। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की उपस्थिति में टीबी मरीजों की मदद करने पर एसडीएम उमेश साहू एवं जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे को 'निक्षय मित्र' बनाया गया। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल लगातार प्रभावी साबित हो रही है। अभियान को और मजबूती देते हुए एसडीएम उमेश साहू एवं जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे ने 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को गोद लिया है। दोनों अधिकारी अब मरीजों को उपचार अवधि के दौरान लगातार पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराने में 6 माह तक ?500 (कुल 3000 रूपये) सहयोग करेंगे। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिले में अधिक से अधिक 'निक्षय मित्र' बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग टीबी मरीजों की पहचान, समय पर उपचार तथा पोषण सहायता सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

पहुंचविहीन क्षेत्रों,पीवीटीजी बसाहटों एवं अन्य दूरस्थ क्षेत्रों में वेक्टर जनित रोगों के नियमित मॉनिटरिंग करें- कलेक्टर श्री अजीत वसंत

अंबिकापुर। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने गुरुवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी. एस. मार्को, सिविल सर्जन श्री जे के रेलवानी सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसम्बन्धित उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। इस दौरान जिले में स्वास्थ्य केंद्रों, चिकित्सकों, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर श्री वसंत ने नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नर्सिंग होम के सम्बन्ध में किसी प्रकार की शिकायत ना आए, लापरवाही पर सम्बंधित पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। आयुष्मान कार्ड निर्माण की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई हो। उन्होंने आयुष्मान योजना में लापरवाही पर सम्बंधित हॉस्पिटल में नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा जांच, पॉजिटिव मरीजों की संख्या, निक्षय निरामय जांच एवं उपचार अभियान के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने ग्राम पंचायतों के माध्यम से पोषण आहार वितरण की जानकारी ली तथा कहा कि हर माह के प्रथम सप्ताह में मरीजों की अपडेटेड लिस्ट जनपद पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराएं, ताकि पात्रों को समय पर पोषण आहार मिल सके। इस दौरान डॉक्टरों द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों में मरीजों के रेफरल एवं कारणों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उन्होंने कहा कि अनावश्यक रेफरल

पर सम्बंधित पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सीएमएचओ को अनावश्यक रेफरल पर सम्बंधित को स्पष्टीकरण जारी करने निर्देशित किया। टीकाकरण कार्य की हुई समीक्षा, U-WIN पोर्टल पंजीयन में लापरवाही पर तीन बीएमओ को नोटिस जारी- इस दौरान विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों अंतर्गत टीकाकरण कार्य की जानकारी ली गई। बैठक में -WIN (Universal Immunization WIN) पोर्टल की प्रगति की भी जानकारी ली गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी पात्र गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का U-WIN पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीयन किया जाए तथा प्रत्येक हितग्राही को निर्धारित समयानुसार सभी आवश्यक टीके लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए।टीकाकरण कार्य में कम प्रगति पर बतौली, मैनपाट तथा उदयपुर के बीएमओ को नोटिस जारी करने तथा मैनपाट के तीन आरएचओ का वेतन रोकने की करवाई के निर्देश दिए गए। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत पहचान के दिए निर्देश- बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जानकारी ली। उन्होंने मैनपाट में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के पहचान की गति धीमी होने पर शत-प्रतिशत पहचान के निर्देश दिए। साथ ही सभी बीएमओ को गम्भीरता से कार्य करने कहा। उन्होंने जिले में मातृत्व मृत्यु दर की जानकारी ली तथा गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण आहार, नियमित जांच, आवश्यक दवाइयों, टीकाकरण आदि सुनिश्चित करने कहा। रात्रिकालीन प्रसव सम्बन्धी मामलों को अनावश्यक रूप से रेफर ना करें, शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। विभाग में रिक्त पदों एवं भर्ती प्रक्रिया की ली गई ।

जी रामजी से मिली सिंचाई की सुविधा बढ़ी आय और मजबूत हुई आजीविका

बलरामपुर, एक समय था जब बारिश ही अरुण की खेती की सबसे बड़ी उम्मीद और सबसे बड़ी चिंता हुआ करती थी। बारिश समय पर हो जाए तो फसल अच्छी होती, लेकिन बारिश कम होने पर खेत सूखने लगते और मेहनत पर पानी फिर जाता। सिंचाई का कोई स्थायी साधन नहीं होने के कारण वे वर्ष में केवल एक ही फसल ले पाते थे। रबी की खेती करना उनके लिए लगभग असंभव था। आज अरुण सालभर खेती कर रहे हैं और उसके खेतों में हर मौसम में हरियाली नजर आती है। विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत पतरापारा निवासी श्री अरुण को वर्ष 2025-26 में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन के अंतर्गत निजी भूमि पर कूप निर्माण की स्वीकृति मिली। कूप निर्माण के बाद उनके खेत तक सिंचाई की स्थायी सुविधा

पहुंची, जिससे खेती का स्वरूप ही बदल गया। अब उन्हें बारिश पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ता और समय पर सिंचाई होने से फसल उत्पादन में निरंतर सुधार हो रहा है। अरुण बताते हैं कि पहले वे केवल धान की खेती करते थे, लेकिन अब धान के साथ-साथ गेहूं की फसल भी ले रहे हैं। इसके अलावा अपनी बाड़ी में मौसमी सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। इससे वे परिवार की दैनिक जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ साग-सब्जी बेचकर अच्छी आय भी प्राप्त कर हरे हैं। पहले जहां अरूण वर्ष में केवल एक फसल लेते थे, वहीं अब दोहरी फसल ले रहे हैं। कूप निर्माण के बाद उनकी वार्षिक आय लगभग 45 हजार से बढ़कर 1 लाख 50 हजार हो गई है। साथ ही लगभग 6.5 एकड़ भूमि में वर्षभर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो रही है। अरुण बताते हैं कि अब खेती के लिए पानी की चिंता नहीं रहती। समय पर सिंचाई होने से फसलों की उत्पादकता बढ़ी है ।

घुमंतू पशुओं के बेहतर प्रबंधन के लिए गौधाम योजना पर मंथन

बलरामपुर, संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, जिला स्तरीय गौधाम समिति, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्री आशीष केशरी, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में गौधाम योजना के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जिले में पंजीकृत एवं स्वीकृत गौधामों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उनके संचालन, पंजीयन एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज ने कहा कि

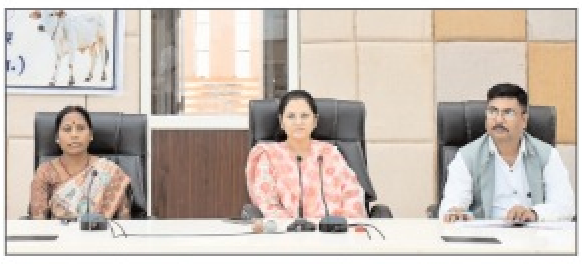

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। जिला स्तरीय गौधाम समिति के अध्यक्ष श्री आशीष केशरी ने कहा कि गौधाम योजना शासन की महत्वपूर्ण पहल है। इसे सभी के सहयोग और समन्वय से प्रभावी ढंग से संचालित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे तथा घुमंतु एवं निराश्रित पशुओं के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित आश्रय उपलब्ध कराना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने विकासखंड स्तरीय समितियों से गौधामों का नियमित निरीक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि पशु रहवास स्थलों गौधामों में पेयजल, चारा, साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

चारदिन बाद लातनाला से निकली कार,पति-पत्नी के शव बरामद.....

सारंगढ़। जिले के लातनाला (माधोपाली पुल) में तेज बहाव के दौरान बह गई कार को चार दिन की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को एनडीआरएफ एसडीआरएफऔर जिला आपदा प्रबंधन की संयुक्त टीम ने बाहर निकाल लिया। कार के अंदर चालक देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी के शव बरामद हुए। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। रेस्क्यू अभियान के दौरान कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा मौके पर मौजूद रहे। कार मिलने की सूचना से लेकर दोनों शवों को बाहर निकालने तक उन्होंने अभियान की लगातार निगरानी की। यह हादसा रविवार शाम को हुआ था, जब तेज बहाव में कार लातनाला में बह गई थी। लगातार बारिश और तेज धारा के कारण बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर और कोरबा से पहुंची एनडीआरएफ एसडीआरएफतथा जिला आपदा राहत टीमों ने संयुक्त रूप से लगातार चार दिनों तक अभियान चलाया और अंततः कार सहित दोनों शवों को बरामद करने में सफलता हासिल की। रेस्क्यू के दौरान कार को नदी से बाहर निकालने पर चालक देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी के शव वाहन के अंदर मिले। इस दर्दनाक दृश्य ने मौके पर मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। रेस्क्यू अभियान देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने नागरिकों से बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उफनते नदी-नालों, जलमग्न पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले मार्गों को पार करने का जोखिम बिल्कुल न उठाएं। थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है।

कुलपति ने ,टी एस सिंह देव से भेंटक एनएसयूआई अम्बिकापुर के द्वारा किये जा रहे क्रमिक भूख हड़ताल एवं विश्विविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की

अंबिकापुर/ सरगुजा महाराजा एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, माननीय श्री टी.एस. सिंहदेव से माननीय कुलपति जी ने सौजन्य भेंट की तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) अम्बिकापुर के द्वारा किये जा रहे क्रमिक भूख हड़ताल एवं विश्विविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। चर्चानुसार विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क एवं अन्य शुल्क में आंशिक कमी की गई है। श्री सिंहदेव को कुलपति जी ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक पदों पर की गई भर्ती प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ शासन के आरक्षण नियमों एवं रोस्टर का पालन किया गया है। आयुक्त, सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर द्वारा की गई जाँच में भी भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों एवं रोस्टर का पालन सुनिश्चित होना पाया गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाईट https://sggvscg.ac.in/ का लोकार्पण माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति के हाथों कराया जा चुका है। वेबसाईट सर्वसंबंधितों के लिए चालू

किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के भकुरा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त सी.सी.टी.वी. लगाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस पेट्रोलिंग नियमित रूप से करने के लिए पुलिस अधीक्षक, अम्बिकापुर को पत्र प्रेषित किया गया है, साथ ही पुलिस चौकी की स्थापना के लिए भी पत्र प्रेषित किया गया है। विश्वविद्यालय के अधूरे निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण करने तथा अम्बिकापुर शहर से विश्वविद्यालय के मकुरा परिसर तक एवं विश्वविद्यालय परिसर के भीतर सड़क निर्माण करने के लिए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री, माननीय मंत्री उच्च शिक्षा विभाग, माननीय मंत्री वित्त विभाग, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग आदि को पत्र प्रेषित किया गया है। विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणाम शीघ्र जारी करने और मूल्यांकन कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन / डिजीटल मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया गया है। विश्वविद्यालय में टॉल फ्री नम्बर / टेलीफोन नम्बर चालू करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। माननीय श्री सिंहदेव ने विश्वविद्यालय विकास हेतु शासन स्तर से प्रयास कर भवन निर्माण, सीट संख्या में वृद्धि तथा सड़क हेतु राशि आबंटन एवं विश्वविद्यालय में प्रारंभ होने वाले नए कोर्सों में शासन स्तर से आवश्यक अनुमति दिलाने के लिए सकारात्मक प्रयास का आश्वासन माननीय कुलपति जी को दिया।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा मंडल महामाया ने माँ महामाया मंदिर में किया गया दीप प्रज्ज्वलन,पूजन एवं पुजारियों का सम्मान

अंबिकापुर। समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल महामाया, अंबिकापुर द्वारा माँ महामाया मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ दर्शन-पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माँ महामाया से सामाजिक समरसता, सद्भाव, सामाजिक एकता, संस्कार एवं राष्ट्रहित के मार्ग पर निरंतर कार्य करने का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान माँ महामाया मंदिर के पूज्य पुजारियों का अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। उनके सान्निध्य में सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव, सामाजिक एकता तथा सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने और समाज में उन्हें और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प दोहराया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदन का पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, सेवा, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और समाज के प्रति अपने दायित्वों का पुनः स्मरण कर उन्हें जीवन में उतारने का पावन अवसर है। गुरु भारतीय संस्कृति में ज्ञान और संस्कार के मार्गदर्शक रहे हैं। इसलिए गुरु पूर्णिमा का यह पर्व समाज में सद्भाव, सेवा और समरसता की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा मंडल महामाया के सभी मोर्चों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों के मंदिरों में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर पर्व मनाया गया— युवा मोर्चा — स्कूल रोड स्थित हनुमान मंदिर, महिला मोर्चा — जोड़पीपल शिव मंदिर, किसान मोर्चा — काली मंदिरपिछड़ा वर्ग मोर्चा — पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर, स्क्ष मोर्चा — माँ महामाया मंदिर, अंबिकापुर स्ट मोर्चा —

माँ महामाया मंदिर, अंबिकापुर भाजपा मंडल महामाया के कार्यकर्ताओं की व्यापक सहभागिता और समर्पण से आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, सनातन मूल्यों और संगठनात्मक एकता का प्रेरणादायी संदेश देने में सफल रहा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि समाज में जब विचारों की एकता, संस्कारों की शक्ति और सेवा का संकल्प जुड़ता है, तब सामाजिक समरसता का भाव और अधिक मजबूत होता है। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे उपस्थित- इस गरिमामय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव , प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी , भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, बस्तर सह-प्रभारी हरपाल सिंह भामरा , भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अंबिकेश केसरी, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह , नगर निगम सभापति श् हरमिंदर सिंह टिन्नी , जिला महामंत्री विनोद हर्स , अरुणा सिंह , संजय गुप्ता (बोडा) जी, श्दिनेश शुक्ला जी, जन्मेजय मिश्रा , आलोक दुबे, विद्यानंद मिश्रा, महामाया मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी,महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुभागी बिहाड़े,संतोष दास , करता राम गुप्ता , मधुसूदन शुक्ला , तजिंदर सिंह बग्गा , विकास पांडेय , अजय सिंह,पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष बाबलू गुप्ता जी, महामाया मंडल के महामंत्री निरंजन राय एवं संजीव वर्मा , प्रियंका चौबे , अभय साहू , पार्षद श्वेता गुप्ता , पार्षद विमला सोनी ।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में सनसनी:जलती भट्ठी में कूदा आजीवन कारावास का कैदी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की बिलासपुर सेंट्रल जेल में बुधवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई। डबल मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी बृजेश उर्फ राहुल ने जेल परिसर में स्थित गैसीफायर प्लांट की जलती भट्ठी में छलांग लगा दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद जेल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम सेंट्रल जेल पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जबकि एफएसएल और पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, सेंट्रल जेल में भोजन पकाने के लिए गैसीफायर प्लांट का उपयोग किया जाता है, जिसमें लकड़ियों से गैस तैयार की जाती है। बुधवार को प्लांट चालू था, तभी कैदी बृजेश अचानक वहां पहुंचा और जलती हुई भट्ठी में कूद गया। जेलकर्मी और अन्य बंदी उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना ने हाई-सिक्योरिटी मानी जाने वाली बिलासपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच का प्रमुख विषय यह है कि एक सजायाफ्ता कैदी गैसीफायर प्लांट जैसे संवेदनशील क्षेत्र तक कैसे पहुंचा ।

मंदिर में करें इन चीजों का दान

हम पूजा-पाठ या किसी अन्य धार्मिक अनुष्ठान के बाद हमेशा दान करते हैं। दान का सनातन धर्म में खास महत्व बताया गया है। दान करना एक नेक, स्वेच्छा, कृतज्ञता और आध्यात्मिक समर्पण का काम माना जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि दान करने से मन पावन होता है और मृत्यु के बाद आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। भगवगद् गीता जैसे अत्यंत पवित्र ग्रंथों में कहा गया है कि श्रद्धा और विनम्रता के साथ दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। सनातन धर्म में कुछ विशेष चीजों का दान करने से महापुण्य प्राप्त होता है। मंदिर में पैसों के दान से इन चीजों के दान को बहुत प्रभावशाली माना गया है। आइए इन चीजों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

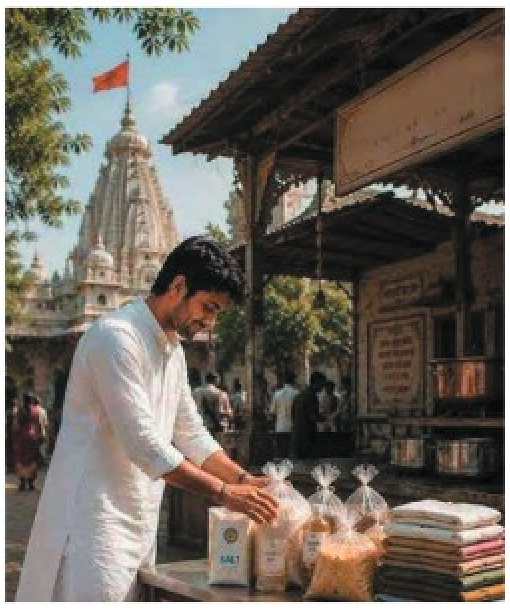

अनाज: सनातन धर्म में भोजन के दान को बहुत शक्तिशाली और प्रभावशाली बताया गया है। भोजन दान का सबसे उत्तम रूप है। मंदिर में चावल, अनाज, दाल या पका हुआ भोजन दान करना चाहिए। इससे आध्यात्मिक और शारीरिक रूप से पोषण मिलता है। सच्ची समृद्धि लोगों को भोजन कराने से ही आती है।

कपड़े: मंदिरों मे कपड़ों का दान करना भी काफी शुभ होता है। वस्त्र दान आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों ही नजरिए से आवश्यक माना गया है। इस दान से जरूरतमदों का सम्मान के साथ शरीर ढकता है। नए या हल्के पुराने कपड़ों का दान अहंकार, अभिमान और दिखावे की भावना को त्यागने के लिए भी जरूरी होता है।

दीये, तेल या घी: मंदिरों में दीयों के लिए घी या तेल का भी दान किया जाता है। दीया जागरुकता और अंधकार पर विजय का प्रतीक है। मंदिर मे सरसों का तेल, तिल का तेल या गाय का शुद्ध घी दान करने के बाद जब उससे मंदिर में दीपक जलाया जाता है, तो भ्रम और नकारात्मक विचार कम होते हैं।

गाय: कई मंदिरों मे गौ पालन का विशेष महत्व होता है। विशेषकर भगवान कृष्ण और शिव जी के मंदिरों में। मंदिर के गौशाला में पालन के लिए गाय, चारा, हरी घास, अनाज का दान देना अत्यंत शुभ माना जाता है।

समय और सेवा: शास्त्रों के अनुसार, मंदिर में समय और सेवा का दान अत्यंत शक्तिशाली दान होता है। धन या भौतिक वस्तुओं के विपरीत समय वापस नहीं आता है। मंदिर में सेवा करने से अहंकार खत्म होता है।

दीपक की बची हुई बाती का क्या करना चाहिए ?

सनातन धर्म में सुबह-शाम घर के मंदिर में दीपक जलाना अनिवार्य माना गया है। कहते हैं कि दीपक जलाने से घर में सकारात्मकता आती है और दीपक को प्रकाश व ईश्वर की उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अक्सर लोग दीपक बुझने या पूरा जलने के बाद बची हुई बाती को लेकर असमंजस में रहते हैं। कई लोग इसे साधारण कूड़ा समझकर डस्टबिन में फेंक देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो रुक जाइए। शास्त्रों में पूजा से जुड़ी हर छोटी-से-छोटी वस्तु के विसर्जन के खास नियम बताए गए हैं। बची हुई बाती को सीधे कचरे में फेंकना न सिर्फ धार्मिक रूप से अनुचित माना जाता है, बल्कि इससे घर में नकारात्मकता भी आ सकती है। आइए जानते हैं धर्म शास्त्रों के अनुसार बची हुई बाती का क्या करना चाहिए।

बची हुई बाती को सीधे कचरे में क्यों न फेंकें?

धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब हम किसी बाती को घी या तेल में भिगोकर मंत्रों और शुद्ध भाव के साथ प्रज्वलित करते हैं, तो उसमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वह बाती भगवान के सामने समर्पित हो चुकी होती है। ऐसी पवित्र वस्तु को पैरों में आने वाली जगह या गंदगी में फेंकने से देव दोष और पितृ दोष लग सकता है। इससे घर की बरकत रुक सकती है और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

शास्त्रों के अनुसार क्या हैं नियम?

अगर आपके पास रोज दीपक जलाने के

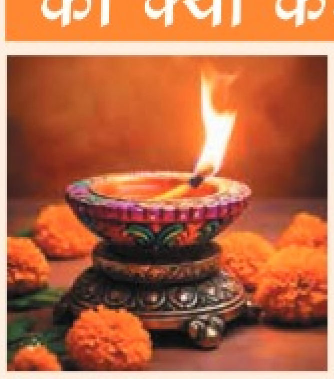

बाद बाती बच जाती है, तो उसे फेंकने के बजाय नीचे दिए गए तरीकों को अपनाएं।

तुलसी या पौधों के गमले की मिट्टी में दबाएं:

बची हुई बाती को एकत्र करें और घर के किसी पवित्र पौधे जैसे कि तुलसी के गमले की मिट्टी में दबा दें। समय के साथ यह मिट्टी में ही विलीन हो जाएगी। ध्यान रहे कि उस स्थान पर किसी का पैर न पड़े।

पवित्र नदी या जलाशय में प्रवाहित करें:

यदि आपके घर के पास कोई पवित्र नदी, तालाब या जलाशय है, तो हफ्ते या महीने भर की एकत्रित बातियों को वहां प्रवाहित कर दें।

अग्नि देव को समर्पित करें:

यदि आप नियमित रूप से घर में छोटा हवन या कपूर आरती करते हैं, तो इन बची हुई बातियों को उस हवन की अग्नि में डाल दें। चूंकि यह पहले से ही पूजा का हिस्सा रही हैं, इसलिए अग्नि में इनका भस्म होना सबसे शुद्ध माना जाता है।

अखंड ज्योति की बाती का नियम

रोजाना पूजा में बची बातियों के अलावा अखंड ज्योति की बाती के भी कुछ नियम होते हैं। यदि आपने नवरात्रि, दिवाली या किसी विशेष अनुष्ठान में अखंड दीपक जलाया था, तो उसकी बची हुई बाती को बहुत संभालकर रखना चाहिए। इस बाती को कभी भी घर में इधर-उधर न छोड़ें। अनुष्ठान पूरा होने के बाद इस बाती को किसी बहती हुई पवित्र नदी में विसर्जित करना ही सबसे उत्तम माना गया है।

भीगने के बाद करें त्वचा की सही देखभाल

बारिश में भीगना लगभग सभी को अच्छा लगता है, लेकिन लंबे समय तक गीले कपड़ों में रहने से त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। बरसात के मौसम में नमी बढ़ने की वजह से खुजली, रैशेज और फंगल इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर आप भी बारिश का आनंद लेती हैं, तो भीगने के बाद त्वचा की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। कुछ आसान आदतें अपनाकर आप इन परेशानियों से बच सकती हैं। अगर त्वचा पर खुजली, लालपन या छोटे-छोटे दाने हो जाएं, तो उस जगह को बार-बार खुजलाने से बचें। ऐसा करने से संक्रमण बढ़ सकता है।

भीगने के बाद तुरंत नहाएं

अगर आप बारिश में भीग गई हैं, तो घर पहुंचते ही गुनगुने पानी से नहा लें। इससे त्वचा पर जमा गंदगी और बैक्टीरिया साफ हो जाते हैं। नहाते समय माइल्ड साबुन या हल्के बॉडी वॉश का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा की नमी भी बनी रहे और संक्रमण का खतरा कम हो।

त्वचा को अच्छी तरह सुखाएं

नहाने के बाद शरीर को तौलिए से अच्छी तरह पोंछ लें। खासकर गर्दन, बगल, उंगलियों के बीच और शरीर की सिलवटों वाली जगहों को सूखा रखना जरूरी है। गीली त्वचा पर कपड़े पहनने से फंगल इंफेक्शन और खुजली की संभावना बढ़ सकती है।

सूखे और सूती कपड़े पहनें

बारिश के मौसम मे हमेशा पूरी तरह सूखे और साफ कपड़े पहनें। कोशिश करें कि कॉटन यानी सूती कपड़ों का इस्तेमाल करें। ये पसीना और नमी जल्दी सोख लेते हैं, जिससे त्वचा लंबे समय तक सूखी रहती है। अगर कपड़ों में सीलन हो, तो उन्हें पहनने से बचें।

बारिश में भीगे जूते-मोजे तुरंत बदलें

अगर बारिश में आपके जूते और मोजे भीग गए हैं, तो घर पहुंचते ही उन्हें बदल दें। लंबे समय तक गीले मोजे पहनने से पैरों में फंगल इंफेक्शन, खुजली और बदबू की समस्या हो सकती है। पैरों को अच्छी तरह धोकर सुखाएं और फिर साफ व सूखे मोजे पहनें।

ढीले कपड़े पहनें

बरसात के मौसम में बहुत टाइट कपड़े पहनने से पसीना और नमी शरीर पर ज्यादा देर तक बनी रहती है। इससे त्वचा पर रैशेज और खुजली होने का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए इस मौसम में ढीले, हल्के और आरामदायक कपड़े पहने, ताकि त्वचा को हवा मिलती रहे और वह सूखी रहे।

एंटीसेप्टिक लिक्विड मिलाकर नहाएं

अगर आप बारिश में भीग गए हैं, तो नहाने के पानी में डॉक्टर की सलाह के अनुसार थोडी मात्रा में एंटीसेप्टिक लिक्विड मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इससे त्वचा पर मौजूद गंदगी और कुछ हद तक संक्रमण फैलाने वाले कीटाणुओं को साफ करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसका रोजाना या जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे त्वचा रूखी भी हो सकती है। यदि त्वचा पर घाव, तेज जलन या पहले से कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो इसका इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वाले आज सावधानी के साथ प्लानिंग और लगातार प्रयास से स्टेबिलिटी पाएंगे। रिलेशन रोमांस भरे रहेंगे, काम पूरे हो पाएंगे, और धन के मामले स्थिर रहेंगे। धैर्य बनाए रखें, प्यार से बात करें, और दूसरों से छोटी-मोटी मदद स्वीकार करें।

वृषभ राशि - आज प्रगति में मार्गदर्शन करने वाले छोटे-छोटे उपयोगी संकेतों पर ध्यान दें। वृषभ राशि वालों को आज के दिन शांति के साथ छोटे-छोटे कार्यों से क्लैरिटी मिलेगी। आसान कार्यों पर ध्यान दें, और जब मदद मिले तो उसे स्वीकार करें। लव लाइफ मे छोटी-मोटी गलतफहमियां बातचीत से दूर हो जाएंगी।

मिथुन राशि - आज ध्यान दें कि लक्ष्यों और पर्सनल ग्रोथ की ओर स्पीड बनी रहे। भावनाएं उपयोगी संकेत देती हैं। काम और लोगों को चुनते समय अपने ज्ञान पर भरोसा करें। जरूरी कदम उठाएं, मुस्कुराएं। खर्चों पर थोड़ा कंट्रोल रखें। मौसम बदलने की वजह से हल्की थकान या सर्दी-जुकाम परेशान कर सकता है।

कर्क राशि - छोटे, छोटे लगातार चुनाव मददगार रास्ते खोल सकते है। परिवार का सपोर्ट मूड को बेहतर बनाता है। ज्यादातर काम कॉन्फिडेंस और प्रगति के साथ आगे बढ़ता है, जिससे आज मापने योग्य परिणाम मिलेंगे। मानसिक तनाव कम करने के लिए खुद को थोड़ा आराम दें।

सिंह राशि - आज के दिन खर्च कम रखें और रिस्क भरे प्लान से बचें। पर्याप्त आराम करें, हल्का शाकाहारी भोजन पसंद करें। अपनी एनर्जी और मन शांत बनाए रखने के लिए छोटी सैर करें।। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखें। सेहत सामान्य रहेगी लेकिन नींद पूरी लें।

कन्या राशि - आज रिश्ते मजबूत होंगे और परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी। वित्तीय सावधानी का लाभ मिलेगा। तरोताजा रहने के लिए बीच-बीच मे आराम करें। स्मार्ट बातचीत से नए अवसर खुलेंगे। आपको सपोर्ट मिलेगा, जिससे आप प्रगति करते रहेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। शादीशुदा लोगों के रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

तुला राशि- आज के दिन की दोस्ताना एनर्जी आपको नई चीजें आजमाने मे मदद करेगी। आइडिया शेयर करें, पॉजिटिव रहें। छोटे-छोटे एक्सपेरिमेंट से सीखें, जो तेजी से सबक सिखाते हैं। कॉन्फिडेंस बढ़ाएं, और प्रोग्रेस का आनंद लें। पार्टनर के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है इसलिए शब्द सोच-समझकर बोलें। पैसों से जुड़े मामलों में सतर्क रहें।

वृश्चिक राशि - आज के दिन एडजस्ट करें। खुशमिजाज मूड, कोशिश और लगातार जिज्ञासा नए मौके और प्रैक्टिकल प्रोग्रेस लाएगी। अपनी छोटी- छोटी जीत पर ध्यान दें। आपको स्टेबल गति मिल सकती है। छोटे-छोटे निर्णय अच्छे परिणाम देंगे। बिजनेस में कोई नई डील मिलने के संकेत हैं। हालांकि भावनाओं मे बहकर कोई बड़ा फैसला ना लें। खर्चों पर नजर रखें।

धनु राशि- आज निरंतर प्रयास से प्रगति की उम्मीद रखें। नए अवसरों की आशा रखें। धनु राशि वालों आप एनर्जी, शक्ति, मार्गदर्शन, काम मे प्रगति, गहरे कनेक्शन, खर्च और बेहतर स्वास्थ्य के लिए शांत रूटीन का अनुभव कर सकते हैं। पुराने दोस्तों से बातचीत या मुलाकात हो सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। बच्चों की पढ़ाई या सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत होगी।

मकर राशि - आज ईमानदारी से की गई बातचीत से विश्वास बढ़ेगा। सावधानीपूर्वक सेविंग्स करने से धन की स्थिति में सुधार होगा। अपनी एनर्जी को बचाने के लिए आसान दैनिक आदतें अपनाएं।पढ़ाई कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं। किसी यात्रा की योजना बन सकती है। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए फिजूलखर्ची से बचें।

कुंभ राशि- आज का दिन कुंभ राशि वालों के लिए दोस्ती, शांत निर्णय, कार्य प्रगति, सोच-समझकर खर्च करने और सेहत संबंधी अच्छी आदतें लेकर आया है। आप धीरे-धीरे प्रगति करेंगे। फोकस और शांत योजना आपको कार्यों को पूरा करने और रिश्तों को मजबूत बनाने में मदद करेगी। किसी बात को लेकर मन थोड़ा परेशान रह सकता है, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। पैसों का लेनदेन सोच-समझकर करें।

मीन राशि- आज सीखने और छोटे-मोटे रिस्क लेने के लिए अच्छा दिन है। एक छोटा सा आइडिया आजमाएं और नतीजे देखें। अच्छे लोगों से बात करें और ईमानदार फीडबैक इकट्ठा करें। प्लान को फ्लेक्सिबल रखें।करियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी। पैतृक संपत्ति या पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है।

फैशन में सही रंगों का चुनाव बेहद जरूरी

आज कल कल हर कोई चाहता है कि उनका लुक स्टाइलिश होने के साथ-साथ बॉडी शेप के हिसाब से भी परफेक्ट लगे। ऐसे में सिर्फ महंगे कपड़े या ट्रेंड फॉलो करना ही काफी नहीं होता, फैशन की समझ होना भी उतना ही जरूरी है। इन्हीं ट्रिक्स में से एक कलर ब्लॉकिंग है। कलर ब्लॉकिंग न केवल आपको फैशनेबल बनाता है बल्कि आपके फिगर में भी नेचुरल बैलेंस लाने में मदद करता है। सही रंगों का चुनाव और उनकी जगह को समझना आपकी पर्सनालिटी को नया डाइमेंशन दे सकता है। ऐसे में चलिए आज हम आपको बताएंगे कि कैसे कलर ब्लॉकिंग से आप अपने आउटफिट्स में परफेक्ट संतुलन बना सकते हैं।

कलर ब्लॉकिंग सिर्फ ट्रेंड नहीं स्मार्ट स्टाइलिश टूल भी

फैशन में कलर ब्लॉकिंग अब सिर्फ एक ट्रेंडी टेकिनक नहीं रही बल्कि यह आपके लुक को संतुलित करने का एक शानदार तरीका बन चुकी है। जब सही रंगों का सही जगह पर इस्तेमाल होता है तो यह आपकी बॉडी शेप को भी प्रोफेशनल दिखाने में मदद करता है। खास तौर पर उन लोगों के लिए जो ऊपर या नीचे से भारी नजर आते हैं। ऐसे में यह स्टाइलिंग तरीका काफी असरदार साबित हो सकता है।

बॉडी शेप के हिसाब से चुने कलर टोन

अगर आपकी ऊपर की बॉडी हैवी है तो स्टाइल एक्सपर्ट सलाह देते हैं की टॉप के लिए डार्क शेड जैसे नेवी, ब्लैक या डीप ग्रीन सेलेक्ट करें। वही बॉटम में हल्के या ब्राइट कलर जैसे व्हाइट, पाउडर, ब्लू या पीला पहन सकते हैं। इससे नजर ऊपर से हटकर नीचे जाएगी और एक संतुलन प्रभाव बनेगा। इसके उलट अगर आपकी लोअर बॉडी ज्यादा हैवी है तो नीचे डार्क शेड्स और ऊपर लाइट कलर्स का इस्तेमाल करें।

कलर व्हील की समझ है जरूरी

कलर ब्लॉकिंग को अच्छे से अपनाने के लिए रंगों की थ्योरी जानना बहुत बेहद जरूरी है। इसके लिए कुछ स्टाइलिस्ट बताते हैं की कलर व्हील को समझे बिना आप सही कांबिनेशन नहीं बना सकते हैं। जैसे कंप्लीमेंट्री कलर ऑरेंज, ब्लू या पीला और पर्पल एक बोल्ड और हाई कंट्रास्ट लुक देते हैं। वहीं एनालॉग कलर्स जैसे रेड और पिंक जो कलर व्हील पर एक

दूसरे के पास होते हैं। सॉफ्ट और फॉलोइंग इफेक्ट देते हैं।

हर रंग कहता है एक कहानी

आप किसी तरह का इंपैक्ट डालना चाहते हैं जैसे सिंपल, बोर्ड या एलिगेंट दिखना चाहते हैं तो यह तय करता है कि आप कौन से रंगों को किस जगह प्लेस करते हैं। कलर ब्लॉकिंग न सिर्फ आपकी पर्सनालिटी को रिफ्लेक्ट करता है बल्कि फैशन में आपकी समझ और आत्मविश्वास भी दर्शाता है।

पढ़ाई में फोकस बढ़ाने के लिए आजमाएं ये असरदार तरीके...

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि आप पूरी तैयारी और जोश के साथ हाथ में किताब लेकर बैठते हैं, लेकिन कुछ ही मिनटों में दिमाग 'नो-सिग्नल' वाले ज़ोन में चला जाता है? कभी सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन्स ध्यान खींच लेते हैं, तो कभी बैठे-बैठे ही हम ख्यालों की दुनिया की सैर करने लगते हैं। घंटों तक किताब के सामने बैठे रहने का मतलब यह नहीं है कि आपकी पढ़ाई भी उतनी ही सॉलिड हो रही है। असल में, ध्यान भटकने की यह समस्या बहुत कॉमन है, लेकिन इसका समाधान आपकी इच्छाशक्ति में नहीं, बल्कि सही तकनीकों में छिपा है।

25-30 मिनट के स्टडी सेशन बनाएं

जब मल्टीटास्किंग, ध्यान भटकने और एक समय में एक काम करने के फायदों पर शोध किया और पाया कि दिमाग लगातार कई घंटों तक एक जैसी गतिविधि पर पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाता। इसलिए पढ़ाई को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। आप 25 या 30 मिनट तक पूरी एकाग्रता से पढ़ें और फिर 5 मिनट का छोटा ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ा टहलें, पानी पिएं या आंखों को आराम दें। इससे दिमाग तरोताजा रहता है और दोबारा पढ़ाई पर ध्यान लगाना आसान हो जाता है।

मोबाइल को पढ़ाई की जगह से दूर रखें

हर नोटिफिकेशन दिमाग का ध्यान भटकाती है। रिसर्च बताती है कि केवल मोबाइल का सामने रखा होना भी एकाग्रता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए पढ़ाई शुरू करने से पहले फोन को साइलेंट मोड पर रखें या दूसरे कमरे में रख दें। अगर ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं, तो गैरजरूरी ऐप्स और नोटिफिकेशन बंद कर दें।

एक समय में केवल एक ही काम करें

कई छात्र पढ़ाई के साथ गाने सुनते हैं, चैट करते हैं या बार-बार अलग-अलग विषय बदलते रहते हैं। इसे मल्टीटास्किंग कहा जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे काम की गुणवत्ता और याद रखने की क्षमता दोनों कम हो सकती हैं। इसलिए एक समय में सिर्फ एक विषय पर ध्यान दें और उसी को पूरा करने की कोशिश करें।

पर्याप्त नींद और सही खानपान लें

अगर नींद पूरी नहीं होगी तो दिमाग नई जानकारी को सही तरीके से याद नहीं रख पाएगा। रोजाना 7 से 9 घंटे की अच्छी नींद लेने की कोशिश करें। इसके साथ ही फल, हरी सब्जियां, मेवे, बीज और प्रोटीन से भरपूर भोजन लें। पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है, क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर भी ध्यान लगाने में परेशानी हो सकती है।

हर व्यक्ति का पढ़ने का तरीका अलग होता है। इसलिए जरूरी नहीं कि हर तकनीक सभी पर समान रूप से काम करे। आप इन तरीकों को कुछ दिनों तक अपनाकर देखें और जो तरीका आपके लिए सबसे बेहतर साबित हो, उसे अपनी स्टडी रूटीन का हिस्सा बना लें। नियमित अभ्यास, अनुशासन और सही आदतों के साथ पढ़ाई करना न सिर्फ आसान होगा, बल्कि आपकी याददाश्त और प्रदर्शन में भी सुधार देखने को मिलेगा।

समाजसेवा और मानवता की मिसाल नेल्सन मंडेला

ग्लोबल पीस काउंसिल, लंदन हेराल्ड इंटरनेशनल मैगज़ीन, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एम्बेसडर्स ऑर्गनाइजेशन (IHRAO) तथा क्राइम प्रिवेंशन एंटी करप्शन कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई के मेयर हॉल, अंधेरी (पश्चिम) में "नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार 2026" का भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायी आयोजन संपन्न हुआ। समारोह में देश-विदेश से आए प्रतिष्ठित उद्योगपति, शिक्षाविद, समाजसेवी, मानवाधिकार कार्यकर्ता, युवा उद्यमी एवं विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया।

यह प्रतिष्ठित सम्मान समारोह उन व्यक्तित्वों को समर्पित रहा, जिन्होंने समाजसेवा, मानवाधिकार, शिक्षा, संस्कृति, आध्यात्मिकता, उद्यमिता एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। इसी क्रम में श्री संजय जीवनलाल शाह एवं श्रीमती अल्पा संजय शाह (उपाध्यक्ष, महिला विभाग) को समाज, शिक्षा, धर्म एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन, समर्पित एवं अनुकरणीय योगदान के लिए "नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार 2026" से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके सेवा-भाव, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का सम्मान किया गया।श्री संजय जीवनलाल शाह वर्षों से धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं मानवीय गतिविधियों के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं श्रीमती अल्पा संजय शाह महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता एवं सेवा कार्यों में निरंतर

उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। दोनों का यह सम्मान उनके जनकल्याण के प्रति समर्पण एवं समाजहित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिला महत्वपूर्ण सम्मान है। इस अवसर पर इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एम्बेसडर्स ऑर्गनाइजेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अविनाश डी. साकुंडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अफसर कुरैशी तथा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष राजेश उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने सम्मानित विभूतियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।अपने संबोधन में आयोजकों ने कहा कि "नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार" केवल सम्मान प्रदान करने का मंच नहीं, बल्कि मानवता, शांति, सामाजिक समरसता, समानता, न्याय और वैश्विक भाईचारे के मूल्यों को सशक्त बनाने का एक प्रभावशाली अभियान है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित करते हैं तथा नई पीढ़ी को सेवा और राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान नेल्सन मंडेला के प्रेरक विचारों का स्मरण करते हुए उनका प्रसिद्ध संदेश साझा किया गया— "जीवन का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हमने कितना समय जिया, बल्कि इस बात में है कि हमने दूसरों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन लाया। यही हमारे जीवन की वास्तविक पहचान है।"समारोह का समापन विश्व शांति, मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक समरसता, सेवा एवं इंसानियत के मूल्यों को अपनाने तथा एक न्यायपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। यह आयोजन सेवा, सम्मान, प्रेरणा और मानवता के आदर्शों को समर्पित एक अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर सिद्ध हुआ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 153वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 153वीं तिमाही समीक्षा बैठक दिनांक 28 जुलाई 2026 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई इस्पात संयंत्र, श्री पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) श्री अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री सौमिक डे, उप महाप्रबंधक (संपर्क, व प्रशासन एवं प्रभारी राजभाषा) श्री राघवेन्द्र कुमार गर्ग तथा ऑनलाइन माध्यम से समस्त कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, संयंत्र के सभी विभाग प्रमुखगण व समस्त विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण उपस्थित थे। सर्वप्रथम महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क व प्रशासन एवं जनसंपर्क) श्री अमूल्य प्रियदर्शी ने पुस्तक भेंट कर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार का स्वागत किया। श्री राघवेन्द्र कुमार गर्ग ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सितंबर माह में राजभाषा पखवाड़ा के आयोजन की जानकारी दी व कहा कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी में कार्यालयीन कामकाज को प्रोत्साहन की दिशा में प्रयास किया जाएगा। उन्होंने विभाग प्रमुखगण से राजभाषा पखवाड़ा को सफल बनाने का निवेदन किया। श्री पवन कुमार ने कहा कि हिंदी में कार्य करने में प्रत्येक कार्मिक की भागीदारी सुनिश्चित करना हम सबका दायित्व है। आगामी दिनों में भिलाई इस्पात संयंत्र की पत्रिका 'भिलाई भाषा भारती' तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की पत्रिका 'महानदी' का प्रकाशन किया जाना है, साथ ही राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जाना है, उन्होंने सभी विभागप्रमुखों से इन पत्रिकाओं के लिए अधिकाधिक रचनाएँ प्रेषित करने तथा राजभाषा पखवाड़ा में अधिक से अधिक प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष उल्लेख के साथ उन विभागों से हिंदी में पत्राचार का प्रतिशत बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात कही जिन विभागों में हिंदी में पत्राचार का प्रतिशत कम है। उन्होंने हिंदी में कार्यालयीन कार्यों में कठिनाई होने की स्थिति में राजभाषा विभाग से सहज संपर्क कर कठिनाई दूर करने तथा वर्तमान दौर में टेक्नोलॉजी की सहायता से ऑनलाइन वॉइस टायपिंग के द्वारा हिंदी में कार्य करने की बात कही। उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन - राजभाषा) श्री जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने विगत बैठक की कार्यसूची का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, तत्पश्चात आगामी तिमाही की कार्यसूची का वाचन कर शत-प्रतिशत हिंदी में पत्राचार करने वाले विभागों का उल्लेख कर आगामी तिमाही की कार्यसूची का वाचन तथा आभार प्रदर्शन किया।

महापौर मधुसूदन यादव ने मोहारा फिल्टर प्लांट का किया निरीक्षण

प्लांट जैसे संवेदनशील स्थल को ध्यान में रख सावधानी बरतने तथा व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव। महापौर श्री मधुसूदन यादव आज सुबह निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य व मोहारा के पार्षद श्री आलोक श्रोती, कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल के साथ मोहारा फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर निगम अधिकारी तथा प्लांट संचालक कम्पनी के अधिकारी से कहा कि अति आवश्यक सेवा देने वाली संवेदनशील स्थल प्लांट में सावधानी बरतते हुऐ व्यवस्था सुदृढ़ रखा जाए जिससे किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। महापौर श्री यादव ने फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर अधिकारियो से चर्चा किए। उन्होंने कहा कि कल रात्रि अचानक क्लोरिन गैस रिसाव की स्थिति निर्मित हो गयी थी, जिसे समय में काबू कर लिया गया था। प्लांट कर्मियो की सजगता से स्थिति सामान्य हुई और किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित नही हुई। उन्होंने कहा कि फिल्टर प्लांट संवेदनशील स्थल है, जहाँ सावधानी बरतने के साथ साथ सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था सुदृढ होनी चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए और इस प्रकार की घटना न हो इसके लिए सभी तैयारिया दुरूस्त रखा जाए। महापौर ने तकनीकि अधिकारियो तथा प्लांट संचालक से सभी पहलुओ पर चर्चा कर सावधानी बरतने तथा एलर्ट रहने के निर्देश दिए। दो दिनो से लगातार बारिश को ध्यान में रखकर एलम, ब्लीचिंग तथा अन्य समाग्री का पर्याप्त भण्डारण रखने निर्देशित किए। उन्होंने कहा कि फिटकरी सहित अन्य समाग्री में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निगम तथा कम्पनी के अधिकारियो से कहा कि पेयजल सप्लाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा क्लोरिन की नियमित रूप से पीएचई विभाग से जॉच कराई जाए। इस दौरान कार्यपालन अभियंता (संविदा) श्री यू.के.रामटेके, प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, सहित निगम व कम्पनी के अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूली विद्यार्थियों को यातायात नियमों की दी गई जानकारी, सुरक्षित यातायात का दिलाया गया संकल्प

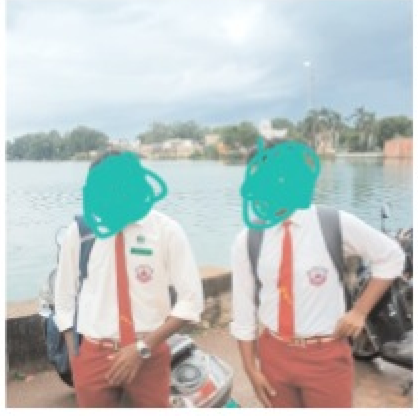

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक सुश्री शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में यातायात शाखा द्वारा शहर के विभिन्न विद्यालयों में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात अधिकारी सहायक उप निरीक्षक कुंज लाल साहू, शरद मसीह, प्रधान आरक्षक खम्हन सिन्हा ल,तथा आरक्षक सोमेश सिंह, रविकांत देवांगन एवं संदीप कुर्रे द्वारा रॉयल किड्स कॉन्वेंट स्कूल , बाल भारती पब्लिक स्कूल, गुरु नानक स्कूल, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी स्कूल, वेसलियन स्कूल, वाइडनियर स्कूल एवं जेएमजे स्कूल के विद्यार्थियों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाएं। साथ ही सड़क पार करते समय ज़ेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने, यातायात संकेतों एवं सिग्नलों का पालन करने तथा अपने परिजनों एवं आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात पुलिस द्वारा विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार एवं समाज को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था में सहभागी बनें।

3 करोड़ 27 लाख 52 हजार का भूमिपूजन, रिसाली का दशहरा मैदान 2 करोड़ से संवरेगा

संत रवि दास जयंती और गुरू पूर्णिमा के अवसर पर 300 दीप जलाया गया

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नगर पालिक निगम रिसाली के दशहरा मैदान को संवारने भूमिपूजन किया। 1 करोड़ 83 लाख 32 हजार से दशहरा मैदान का कायाकल्प किया जाएगा। विधायक ने बुधवार को निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में 327.52 लाख का भूमिपूजन किया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने संकल्प को पूर्ण बिना भेदभाव के कर रही है। दलगत राजनिति से उपर उठकर उनका प्रयास है कि जनता के हित में विकास हो। यही वजह है कि उन्होंने दशहरा मैदान को संवारने का उद्देश्य पूरा किया। आज के बाद रिसाली सेक्टर वार्ड 08 स्थित दशहरा मैदान का दशा और दिशा दोनो बदल जाएगा। दशहरा मैदान का स्वरूप बिलकुल अत्याधुनिक होगा। 1 करोड़ 83 लाख 32 हजार की राशि से मैदान का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज गुरू पूर्णिमा है और देश में अगर कोई मार्ग दिखाने वाला है तो वह गुरू ही है। आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने तुलनात्मक बातें करते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां सारे धर्म को स्थान मिलता है। प्राचीन काल की सभ्यता आज भी विद्यमान है। प्रदेश सरकार ने जो संकल्प लिया है उसे बिना भेदभाव के पूर्ण कर रही है। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद शीला नारखेड़े, माया यादव, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, रमा साहू, मनीष यादव, सविता ढ्वस, सुनंदा दीपक चंद्राकर, सीमा साहू, सरिता देवांगन, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल आदि उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर में जलाए दीप

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने संत रवि दास जयंती और गुरू पूर्णिमा के अवसर पर 300 दीप जलाऐं। इस अवसर पर भाजपा मण्डल पदाधिकारी के अलावा जिला मुख्यालय से आए पार्षद शिवेन्द्र परिहार के अलावा पार्षदगण उपस्थित थे। विधायक ने कहा कि रवि दास की 650वीं जयंती पूरे देश में एक साथ मनाया जा रहा है। यह दीप समरसता उनकों समर्पित है।

यहां होंगे विकास कार्य

दुर्ग ग्रामीण विधायक सबसे पहले वार्ड 06 रूआबांधा सेक्टर पहुंचे। उन्होंने यहां पर 37.67 लाख से होने वाले विकास कार्य का भूमिपूजन किया। इसी तरह वार्ड 05 एचएससीएल रूआबांधा में 53.39 लाख एवं वार्ड 07 रिसाली सेक्टर पूर्व में 33.68 और वार्ड 08 रिसाली सेक्टर पश्चिम में 202.78 लाख का भूमिपूजन किया।

नगर निगम के सभी विभाग के कर्मचारियों की आयुक्त ने ली बैठक

विभागीय कार्य प्राथमिकता तय कर करने तथा ई-आफिस से कार्य संपादित करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव। निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने आज निगम सभागृह में नगर निगम के सभी विभागों के कर्मचारियों की बैठक लेकर कहा कि किसी भी शासकीय कार्यालय में लिपिको की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, उनके द्वारा ही शासन प्रशासन के दिशा निर्देश के अलावा अन्य निर्देश व कार्यो का प्रारंभिक क्रियान्वयन किया जाता है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय में उपस्थित होकर सौपे गये दायित्वो को समर्पित भाव से कार्य करेगें। आयुक्त मरकाम ने कहा कि अपने विभाग से संबंधित कार्य प्राथमिकता तय कर करे। किसी भी पत्र या फाईल का चरणबद्ध क्रियान्वयन कर समय सीमा में निराकरण करना है। उन्होंने कहा कि कार्य का तीन स्तर होता है, अति महत्वपूर्ण, महत्वपूर्ण और सामान्य। फाईलो को देखते हुए स्तर अनुसार उस कार्य को उसी क्रम में कर निराकरण करना है। उन्होंने फाईलो का उचित संधारण करने कहा, नोटशीट में लिपिक अधिकारी, विभाग का बराबर उल्लेख हो, जिससे फाईलो के निराकरण में सुविधा होगी। आयुक्त मरकाम ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी विभागीय कार्य ई-आफिस के माध्यम से संपादित करना है। इसमें किसी प्रकार की कोताही न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि चुकि नगर निगम जनता से सीधी जुड़ी संस्था है, जहाँ लोगों के दैनिक जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यकता तथा मूलभूत सुविधा के कार्य होते है। इस दृष्टिकोण से हमारा कार्यालय बहुत महत्वपूर्ण है और इसकी महत्ता को समझ सभी को अपने दायित्वों का निर्वाहन करना है। बैठक में प्र.कार्यलय अधीक्षक नारायण यादव सहित सभी विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वच्छ भारत मिशन को ठेंगा दिखाता अमलेश्वर पालिका प्रशासन, अटल परिसर में गंदगी का अंबार, परिसर में शराबियों ने फेंकी दारू की बॉटल

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ती नजर आ रही हैं। नगर के अटल परिसर में इन दिनों जगह-जगह गंदगी और कचरे का ढेर जमा होने लगा है, जिससे परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वही शराब सेवन करने वाले लोग भी दारू का बॉटल वही फेंक कर चले जाते है।जिस पर स्थानीय पुलिस का भी हाथ नहीं पहुंच पा रही हैं। जबकि सामने स्वामी आत्मानंद स्कूल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई नहीं होने के कारण कचरा लगातार बढ़ता जा रहा है और परिसर बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। मामले को और गंभीर तब माना जा रहा है जब सफाई के बाद एकत्र किए गए कचरे को भी पटवारी कार्यालय के सामने डंप करने की कोशिश की जा रही है। इससे कार्यालय आने-जाने वाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक स्थान और सरकारी कार्यालय के सामने कचरा डालना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि एक ओर सरकार स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर अमलेश्वर में जिम्मेदार अधिकारी पूरे मामले पर मौन साधे हुए हैं। पटवारी कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और आम नागरिक पहुंचते हैं, लेकिन परिसर के आसपास फैली गंदगी से उन्हें असुविधा और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिकों ने मांग की है कि अटल परिसर की तत्काल सफाई कराई जाए, कचरे के नियमित उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सरकारी कार्यालयों के सामने कचरा डंप करने पर रोक लगाई जाए। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे।

मां काली के शक्तिपीठ से आशीर्वाद लेकर सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा का जल करेंगे अर्पित, बाबा बैद्यनाथ एवं वासुकीनाथ का होगा जलाभिषेक

रावण की शिवभक्ति में डूबा भिलाई : बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए कांवड़ियों का पावन जत्था रवाना

भिलाई। सनातन धर्म में श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वोत्तम काल माना गया है। इस पावन माह में ÷हर-हर महादेव÷ और ÷बोल बम÷ के जयघोष से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो उठता है। इसी दिव्य आस्था और सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए भिलाई से श्रद्धालु कांवड़ियों का एक पावन जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर, झारखंड) की यात्रा के लिए श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हुआ। अमित पांडे तथा एस.आर. हॉस्पिटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक डॉ. संजय तिवारी के नेतृत्व में रवाना हुए श्रद्धालु सर्वप्रथम कोलकाता स्थित जगत प्रसिद्ध मां काली के शक्तिपीठ में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके पश्चात बिहार के सुल्तानगंज पहुंचकर उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र गंगाजल दो कलशों में भरेंगे और लगभग 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा प्रारंभ करेंगे। सनातन परंपरा के अनुसार कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संयम, तप, त्याग, अनुशासन और अटूट शिवभक्ति का जीवंत प्रतीक है। श्रद्धालु नंगे पैर ÷बोल बम÷ के जयघोष के साथ कठिन यात्रा करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का वैदिक विधि-विधान से जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया जाएगा। इसके उपरांत दूसरे कलश में सुरक्षित रखे गए गंगाजल से झारखंड के दुमका स्थित बाबा वासुकीनाथ धाम में भगवान वासुकीनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। सनातन मान्यता है कि बाबा बैद्यनाथ और बाबा वासुकीनाथ दोनों धामों में गंगाजल अर्पित करने के पश्चात ही कांवड़ यात्रा पूर्ण मानी जाती है तथा साधक को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

सनातन आस्था का दिव्य केंद्र है बाबा बैद्यनाथ धाम-झारखंड के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम को सनातन धर्म के अत्यंत पवित्र शिवधामों में स्थान प्राप्त है। मान्यता है कि यह भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है। श्रावण मास में देश-विदेश से लाखों शिवभक्त सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा से गंगाजल लेकर पैदल देवघर पहुंचते हैं और बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान पूरा क्षेत्र ÷बोल बम÷ और ÷हर-हर महादेव÷ के उद्घोष से शिवमय हो जाता है।

रावण की तपस्या से जुड़ी है बैद्यनाथ धाम की महिमा-पौराणिक कथाओं के अनुसार लंकापति रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तप किया और अपने दसों शीश अर्पित कर दिए। उनकी अद्भुत भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पुनः जीवन प्रदान किया और ÷वैद्य÷ स्वरूप में उनके घावों का उपचार किया। इसी कारण इस पवित्र स्थान का नाम ÷बैद्यनाथ÷ पड़ा। मान्यता है कि भगवान शिव ने रावण को शिवलिंग प्रदान करते हुए उसे कहीं भी भूमि पर न रखने का निर्देश दिया था। देवताओं की लीला से मार्ग में रावण को रुकना पड़ा और उन्होंने शिवलिंग एक ग्वाले के हाथों सौंप दिया। ग्वाले ने शिवलिंग भूमि पर रख दिया, जहां वह स्थायी रूप से स्थापित हो गया। यही दिव्य शिवलिंग आज बाबा बैद्यनाथ के रूप में पूजित है।

बाबा वासुकीनाथः जहां पूर्ण होती है कांवड़ यात्रा-दुमका जिले में स्थित बाबा वासुकीनाथ धाम भी भगवान शिव का अत्यंत प्राचीन एवं सिद्ध तीर्थ माना जाता है। सनातन परंपरा के अनुसार बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के बाद बाबा वासुकीनाथ का अभिषेक करने से ही कांवड़ यात्रा पूर्ण होती है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां भगवान शिव एवं माता पार्वती संयुक्त रूप से भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं तथा सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य स्वीकार होती है।

शिवभक्ति से ओतप्रोत रहेगा पूरा सफर-भिलाई से रवाना हुए 15 श्रद्धालुओं का यह जत्था मां काली के दर्शन, सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल संग्रह, बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक तथा अंत में बाबा वासुकीनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूर्ण करेगा। पूरे मार्ग में श्रद्धालु ÷बोल बम÷, ÷हर-हर महादेव÷ और ÷? नमः शिवाय÷ के जयघोष के साथ शिवभक्ति में लीन रहेंगे। इस पावन यात्रा में अमित पांडे, डॉ. संजय तिवारी, आकाश जायसवाल, रमाशंकर, विशाल जायसवाल, राहुल गुप्ता, राजेश सोनकर, वेदांत तिवारी, कौशल सोनकर, प्रदीप सोनकर, प्रदीप फौजी, कारण सोनकर, गणेश देवांगन, बब्बू सोनकर एवं गणेश साहू शामिल हैं।÷श्रद्धा, सेवा, संयम और शिवभक्ति का यह पावन संगम ही सनातन धर्म की जीवंत पहचान है। श्रावण मास में निकली कांवड़ यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, तप और भगवान शिव के प्रति अटूट समर्पण का महापर्व है।÷

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com